2. प्रश्न करना - अनुमान लगाना

♦ तेलंगाना का मानचित्र देखिए । आपको जो संदेह आ रहे हैं उसके बारे में प्रश्न लिखिए।

3. प्रायोगिक कार्य - क्षेत्र निरीक्षण

अ) आपके कक्षा का मानचित्र तीलियों की सहायता से खींचिए। कक्षा में प्रदर्शन कीजिए ।

आ) आप अपने पाठशाला से गाँव में किसी मुख्य स्थान तक पहुँचने को चिह्नों के द्ववारा दर्शाएं। उसको अपने मित्र को दीजिए । उस मुख्य स्थान को पहचान सका या नहीं पूछिए । उसी तरह तुम्हारें मित्र द्वारा दर्शाए स्थान के बारे में आप बताइए ।

4. समाचार संकलन - परियोजना कार्य

♦ आपके पास के घरों को जाइए । आपके निरीक्षण निम्न तालिका में दर्ज कीजिए।

निरीक्षण	दर्ज करने योग्य अंश		
	घर 1	घर 2	घर 3
• घर का प्रवेश द्वार किस दिशा में है?			
• घर में कुआ/नलकूप/बोरिंग/पानी का संप आदि किस दिशा में है?			
• घर में रसोई किस कोने में है?			
• घर में खाली जगह किस दिशा में है?			
• घर की खिड़कियाँ, दरवाजे किन-किन दिशाओं में हैं।			
• सड़क घर के किस ओर है?			

♦ क्या सभी घरों में सुविधाएँ एक जैसी है?

♦ सामान्यत: पानी की सुविधा या रसोई घर सामान्यत: घर में किस दिशा/कोने में है?

♦ क्या आपने घरों में पानी के स्थान व रसोई घर की स्थिति व अन्य व्यवस्थाओं का दिशाओं/कोनों से किसी संबंध को पहचाना?

SCERT TELANGANA

5. मानचित्र कौशल, चित्रांकन, नमूना निर्माण द्वारा भाव विस्तार

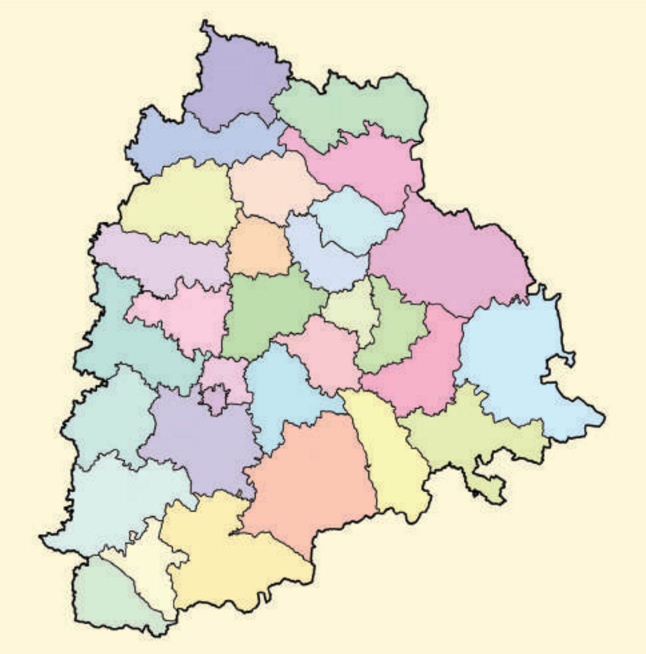

क. अपने मित्रों के साथ मिलकर गत्ते से एक नमूना तैयार कीजिए। इनमें दिशाएँ इंगित कीजिए।

ख. एक घर का मानचित्र बनाइए और इसमें कमरे दर्शाइए।

ग. अपने गाँव का मानचित्र बनाइए।

घ. अपनी मंडल का मानचित्र बनाकर उसमें अपना गाँव दर्शाइए।

च. दिए गये तेलंगाना के मानचित्र में अपने जिले का नाम लिखिए। उन जिलों के नाम भी लिखिए जो आपके जिले से संलग्न हों।

ज. तेलंगाना का मानचित्र बनाइए और इसे अपने नोटबुक में चिपकाइए। अपने राज्य की सीमाएँ बनाइए और जिलों के नाम लिखिए।

झ. अपने जिले का मानचित्र उतारिए और उसमें अपना मंडल पहचानिए।

6. प्रशंसा, मूल्य और जैव विविधता संबंधी जागरूकता

अ. हम मानचित्र का उपयोग किन परिस्थितियों में करते हैं?

आ. मानचित्र के द्वारा हमें किस प्रकार की जानकारी मिलती हैं?

अ. मानचित्र की क्या आवश्यकता है और क्यों?

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1.	मैं दिशाओं के बारे में बता सकता हूँ। किसी वस्तु, अपने गाँव, पाठशाला, घर की किस दिशा में है बता सकता हूँ।	हाँ/नहीं
2.	मैं राज्य के मानचित्र संबंधी नये प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ/नहीं
3.	मैं पाठशाला का नमूना गत्ते से तैयार कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं
4.	मैं मानचित्र का प्रयोग आवश्यकतानुसार कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं

SCERT TELANGANA

7 सरकारी संस्थाएँ (Government Institutions)

रंगापुर ग्राम के चारों तरफ पहाड़ हैं। गाँव के पास नदी बहती है। अधिक वर्षा के कारण नदी में बाढ़ आई है। बाढ़ का पानी रंगापुर ग्राम में पहुंचा। जिसके कारण गाँव की गलियाँ पानी से भर गई हैं। बाढ़ के कम होने के बाद गलियाँ कीचड़ से भर गई। बिजली के तार गिर गए हैं। नलकूप फूट गए हैं। नल में पानी नहीं आ रहा है। इसके कारण गाँव में अनेक समस्याएँ उत्पन्न हुई हैं। इस तरह गाँव की समस्याओं का परिष्कार कौन करेंगे? कौन श्रद्धा लें? इस तरह बाढ़ आने पर गाँव में कौन-कौनसी समस्याएँ उत्पन्न हुई होंगी? आदि विषयों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए और उसके बारे में लिखिए।

समूह में चर्चा कीजिए-

- रंगापुर की गलियों का कीचड़ कौन हटायेगा?
- बिजली के तारों की मरम्मत कौन करेगा?
- नलकूपों की मरम्मत कौन करता है?
- गाँव में समस्याएँ उत्पन्न हों तो उसे दूर करने के लिए किससे कहें?

गाँव की समस्याओं के परिष्कार के लिए गाँव में सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए ग्राम पंचायत रहती है। ग्राम स्तर पर पाठशाला, पशु चिकित्सालय, आँगनवाड़ी केंद्र जैसी अन्य संस्थाएँ भी रहती हैं। इनके कारण जनता को लाभ होता है। इस तरह समाज में जनता के आवश्यक कार्यों को करने वाली संस्थाओं को सरकारी संस्थाएँ कहते हैं।

7.1. सरकारी संस्थाएँ- ग्राम पंचायत

मोहन ने राशन कार्ड के लिए आवेदन देना चाहा। राशन कार्ड के लेने से राशन की वस्तुएँ मिलेंगी। पुत्री अरुणा को साथ लेकर ग्राम राजस्व सचिव से मिलने गया और कहा कि 'मेरा नाम मोहन है।' मुझे पत्नी, पुत्र और पुत्री है। मेरे पास आहार सुरक्षा कार्ड नहीं है। उसके लिए मैं आवेदन देने आया हूँ।

SCERT TELANGANA

सचिव ने बताया कि सफ़ेद कागज़ पर लिखकर आवेदन दीजिए। इसके बाद खेती के विवरण दर्ज करने के लिए आने वालों को ग्राम सचिव ने अंदर बुलाया। पहानि (अडंगल) के आधार पर रसीद जारी किया। ग्राम स्तर पर ग्रामसचिव की तरह अन्य अधिकारी भी होते हैं।

ग्राम पंचायत के स्तर पर विभिन्न अधिकारियों द्वारा किए जाने वाले कुछ कार्य निम्न तालिका में दिए गए हैं। वह काम कौनसे अधिकारी करते हैं। अपने अध्यापक से पूछकर निम्न तालिका में दर्ज करें और उस पर चर्चा करें।

क्र.सं.	काम का नाम	जिम्मेदार अधिकारी
1.	खेतों का विवरण	ग्राम राज्य अधिकारी (वी.आर.ओ)
2.	घर का कर वसूल करना	
3.	गलियों में बिजली लाइट की व्यवस्था करना	
4.	भू-विवरण का निर्वाह	
5.	जनम-मरण दर्ज करना	
6.	राजस्व कार्यालय के कामों की जिम्मेदारी लेना	
7.	मंडल परिषद कार्यालय के कार्यों की जिम्मेदारी लेना	
8.	नल कूपों के बिल वसूल करना	
9.	डाक बांटना	
10.	विद्यालय का निर्वाह	
11.	नालियों की सफाई	
12.	टीके, दवाइयां देना	

संग्रहण कीजिए-

- अगर आप शहर में निवास करते हैं, तो तालिका में सूचित विषयों की जिम्मेदारी कौन लेता है? अपने माता-पिता से या अध्यापकों से पूछकर जानकारी प्राप्त करें और अपनी पुस्तिका में लिखें।
- आपके ग्राम विकास के लिए, विभिन्न कामों के लिए ग्राम पंचायत में कभी समीक्षा हुई? हुई है तो किन विषयों की चर्चा हुई। सरपंच और ग्राम सचिव से समाचार प्राप्त करें।

SCERT TELANGANA

अरुणा ने आवेदन पत्र लिखा। तहसीलदार कार्यालय के कर्मचारी सभी विवरण आनलाइन (online) में दर्ज किया।

मोहन के द्वारा दिए गए विवरण का अपने कार्यालय में उपलब्ध जानकारी से जाँच की गई। विवरण जिला सिविल सप्लाई अधिकारी को भिजवाए गये। कुछ दिनों के बाद 'आहार सुरक्षा कार्ड' जारी करके तहसीलदार के पास भिजवाया। तहसीलदार के जरिये मोहन ने 'आहार सुरक्षा कार्ड' प्राप्त किया। अब मोहन 'आहार सुरक्षा कार्ड' के द्वारा खाद्य सामग्री ले रहा है।

SCERT TELANGANA

क्या आप जानते हैं?

आइरिश कैमरे से चित्र निकालना

आजकल आधार कार्ड जारी करते समय व्यक्तियों के आँखों की आइरिस कैमरे में चित्र निकाल रहे हैं। आदमी के आँख की पुतली के ऊपर के गोल भाग को आइरिस कहते हैं। आइरिस कैमरा आइरिस भाग का चित्र निकालकर सुरक्षित रखता है। इसका आविष्कार मिमिजोय ने किया है। एक बार जिन्होंने चित्र खिंचवाया है, दुबारा आने पर वह तुरंत पहचान लेता है।

ऐसा करिए-

- आपके घर में स्थित आहार सुरक्षा कार्ड का निरीक्षण करें। क्या-क्या समाचार आपने देखा है अपनी पुस्तिका में लिखिए।

आहार सुरक्षा कार्ड धारकों को गांव की राशन दुकान से सामग्री मिलती है। इन सामग्रियों को सरकार द्वारा निर्धारित दरों के अनुसार बेचते हैं।

संग्रह कीजिए-

अपने मित्रों के साथ मिलकर राशन दुकान पर जाइए। निम्न समाचार प्राप्त करें।

क्र.सं.	विवरण	हां/नहीं
1.	सूचना पटल	
2.	कार्य समय सूचना पटल	
3.	बेचने के सामान की सूची जो सूचना पटल पर लगाई गई है।	
4.	कीमत की सूची	
5.	एक महीने की सामग्री न लेने पर अगले महीने में देते है?	

SCERT TELANGANA

राशन सामग्री नियमित रूप से न मिलने पर क्या करेंगे मालूम है? गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले गरीबों के लिए सरकार राशन दुकानों के द्वारा सामग्री विपणन करती है। वह गरीबों तक पहुंचना बहुत जरूरी है। नियमित रूप से अगर नहीं पहुंच रही हैं, तो तहसीलदार के पास शिकायत करें।

7.2. सरकारी संस्थाएँ-मंडल केंद्र

यह जानलिए हैं कि मंडल केंद्र में तहसीलदार कार्यालय रहती है। इसी को मंडल राजस्व कार्यालय भी कहते हैं। यह मंडल की सीमा में आने वाले ग्रामों के परिवारों को राशन कार्ड जारी करना, भू-कर अर्थात खेती होने वाली भूमि पर कर वसूल करना जैसे कार्य संपन्न करती है। इसके लिए हर गांव में राजस्व कार्यालय की ओर से कार्य करने के लिए कौन-कौन रहते हैं, मालूम है क्या? मालूम करके बताइए। मंडल स्तर पर मंडल राजस्व कार्यालय के साथ जनता की सेवा के लिए अन्य कार्यालय भी रहते है।

मंडल केंद्र में और कौनसी संस्थाएँ रहती हैं, मालूम है क्या? निम्न तालिका में विवरण पढ़िए।

मंडल स्तर की संस्था	उसके कार्य
मंडल परिषद कार्यालय	♦ प्राथमिक शिक्षा उपलब्ध कराना। ♦ कृषि, पशुपालन, मछली और मुर्गीपालन का विकास करना। ♦ मंडल में रास्तों का निर्माण करना और उनकी मरम्मत करना। ♦ सिंचाई जल की व्यवस्था करना। स्वास्थ्य शिशु कल्याण, सफाई के कार्यक्रम आदि करना।
पुलिस थाना	♦ शांति व्यवस्था बनाए रखना। ♦ अपराधों की संख्या घटाना। ♦ जनता से सत् संबंध स्थापित करना। ♦ जनता की शिकायतें स्वीकार करना तुरंत समाधान करना। ♦ शिकायतों का परीक्षण और रिकार्ड करना। ♦ जनता की सुरक्षा के लिए नियमों का पालन कराने में सहायता करना । ♦ बच्चों से संबंधित अंश और बाल सुरक्षा संस्थाओं का संरक्षण आदि।

मंडल स्तर की संस्था	उसके कार्य
तहसीलदार कार्यालय 	♦ ग्राम राजस्व अधिकारियों और मंडल कार्यालय के कर्मचारियों के कार्य का पर्यवेक्षण करना। ♦ जनता से प्राप्त शिकायतों की सुनवाई करना। ♦ सरकारी योजनाएँ जनता को उपलब्ध हो रही हैं या नहीं देखना। ♦ जाति, आय प्रमाण पत्र जारी करना। ♦ बेगार से जनता को मुक्त करना। ♦ किसानों को पट्टादार पास पुस्तक मंजूर करना। ♦ भू-विवादों का परिष्कार करना।
प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र 	♦ मंडल की सीमा में जनता के साधारण बीमारियों की दैनिक जांच करना। ♦ उप-स्वास्थ्य केंद्रों के निर्वाह का निरीक्षण करना। ♦ राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों को मंडल में लागू करना। ♦ माता-शिशु संरक्षण के अधीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में ही प्रसूति करना। ♦ बीमारी की तीव्रता के आधार पर जिला अस्पताल को भेजने की सिफारिश कर सकते हैं।
बैंक 	♦ जनता से जमा राशि स्वीकार करना। ♦ मंडल की सीमा में किसानों को ऋण देना। ♦ दैनिक जमा राशि स्वीकार करना। ♦ मंडल के महिला संघों को कर्ज देना।

CERT TELANGANA

मंडल स्तर की संस्था	उसके कार्य
मंडल संसाधन केंद्र 	♦ मंडल में सौ प्रतिशत बच्चों को पाठशाला में प्रवेश दिलाना। ♦ पाठशाला में प्रवेश लेने वाले बच्चों को गुणात्मक शिक्षा उपलब्ध कराना। ♦ पाठशालाओं का पर्यवेक्षण करना। ♦ समय पर न आने वाले अध्यापकों पर अनुशासन परक कार्यवाही करना। ♦ मध्याह्न भोजन योजना का सही निर्वाह हो रहा है या नहीं देखना।
पशु चिकित्सालय 	♦ पशुओं के स्वास्थ्य का संरक्षण करना। ♦ पशुओं को होने वाली बिमारियों को पहचानकर उनकी चिकित्सा करना। ♦ पशुओं से मनुष्यों में फैलने वाली बिमारियों को पहचानकर उनके रोकथाम की व्यवस्था करना। ♦ पशुपालन के बारे में मालिकों को सूचना और सुझाव देना। ♦ पशुओं को दी जाने वाले पोषक आहार के बारे में किसानों में जागृति उत्पन्न करना।

मंडल केंद्र में कौनसे कार्यालय हमें किस तरह सहायता करते हैं जान लिया है ना? मंडल क्षेत्र के सभी विकास कार्यक्रमों पर हर तीन महीनों में सम्मेलन होते हैं। इसमें मंडल स्तर के सभी कार्यक्रमों के अधिकारी भाग लेते हैं। ये किसके तत्वावधान में होते हैं, मालूम है? गाँव के लिए सरपंच की तरह मंडल के लिए मंडल अध्यक्ष होता है। यह चुनाव द्वारा चुने जाते हैं। इनकी अध्यक्षता में विकास सम्मेलन होते हैं। गाँव और मंडल का विकास सेवाभाव एवं नेतृत्व गुण वाले सरपंच मंडल अध्यक्ष और गाँव और मंडल में कार्यरत अधिकारियों पर निर्भर है।

SCERT TELANGANA

यह कीजिए-

- आपके मंडल का नाम क्या है?
- आपके मंडल अध्यक्ष/अध्यक्षा कौन है?
- वे किस गांव के निवासी हैं?
- आपके मंडल में विकास सम्मेलन कब-कब होते हैं?
- आपके गांव से इस सम्मेलन में कौन भाग लेते हैं?
- सम्मेलन में किन-किन विषयों पर चर्चा होती है।
- ग्राम पंचायत की कार्यशैली पर गाँव के अन्य सामाजिक संस्थाओं की कार्य शैली पर कक्षा में चर्चा कीजिए।

मंडल परिषद कार्यालय में होने वाले विकास सम्मेलन के लिए पहले मंडल अध्यक्ष के नाम से सूचना पत्र सदस्यों को भिजाया जाता है। रंगारेड्डी जिले के कोतूर मंडल विकास कार्यालय में होने वाले साधारण सदस्यों के सम्मेलन से संबंधित पत्र देखिए।

मंडल विकास कार्यालय, कोतूर मंडल, जिला रंगारेड्डी

पत्र संख्या : 2/ख/2011.   दिनांक : 02-01-2011

सदस्यों के सम्मेलन के लिए निमंत्रण

विषय : दिनांक 28-01-2011 को होने वाले साधारण सदस्यों के सम्मेलन के लिए सदस्यों को निमंत्रण

\- - -

मंडल परिषद विकास कार्यालय, कोतूर मंडल के जिला परिषद प्रादेशिक सदस्यों (जेड.पी.टी.सी.) मंडल परिषद प्रादेशिक स्दस्यों (एम.पी.टी.सी.), मनोनित सदस्यों और सभी ग्राम पंचायत के सरपंचों को सूचित किया जाता है कि मंडल परिषद कोत्तूर के सदस्यों का सम्मेलन दिनांक 28-01-2011 के दिन सुबह 11.30 बजे मंडल विकास कार्यालय कोत्तूर में आयोजन का निर्णय लिया गया है। इसलिए सभी सदस्यों से अपेक्षा की जाती है कि इस सम्मेलन में उपस्थित रहें।

अध्यक्ष
मंडल विकास अधिकारी
मंडल परिषद, कोत्तूर मंडल,
जिला रंगारेड्डी

SCERT TELANGANA

साधारण सदस्यों के सम्मेलन से संबंधित निमंत्रण पत्र देखे हैं ना। इसमें सम्मिलित होने वाले सदस्य किन विषयों पर चर्चा करते हैं, क्या तुम्हें मालूम है? उन्हें कार्य सूची अंश कहते हैं। कोत्तूर साधारण सदस्यों के सम्मेलन से संबंधित कार्यसूची विषय पढ़िए।

कार्यसूची

- कृषि
- पशु विकास विभाग के कार्य स्थिति
- पंचायती राज और ग्रामीण विकास
- पेंशन
- पीने के पानी की योजना
- फलों के खेत
- प्राथमिक शिक्षा
- महिला शिशु कल्याण
- जल संरक्षण
- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की कार्यस्थिति
- बिजलीकरण
- गृह निर्माण
- मार्ग और भवन
- उद्योग और प्रदूषण निवारण
- अन्य विषय अध्यक्ष की अनुमति से

विषय देखे हैं ना। इस बैठक में कौन-कौन सदस्य उपस्थित होते हैं, क्या बात करते होंगे? समूह में चर्चा कीजिए।

समूह में चर्चा कीजिए-

- मंडल परिषद विकास सम्मेलनों में कौन-कौन उपस्थित होते हैं?
- वे किन विषयों के बारे में चर्चा कर सकते हैं?
- अगर आप ही ग्राम के सरपंच होते, तब ग्राम से संबंधित किन विषयों की चर्चा मंडल विकास सम्मेलन की बैठक में करते?
- मंडल परिषद साधारण सदस्यों के सम्मेलन में कौन-कौन अधिकारी उपस्थित होते हैं?
- बाल सुरक्षा, खतरे में है। बालक की सहायता कौन करेंगे? बालक की सहायता करने के विभिन्न तरीके कौन से हो सकते हैं?

मंडल स्तर के विकास सम्मेलनों में विभिन्न गांवों की समस्याओं के बारे में सरपंच, एम.पी.टी.सी. सदस्य चर्चा करते हैं। उनके द्वारा उठाये गये प्रश्नों का उत्तर देते हैं। मंडल विकास अधिकारी सम्मेलन के संयोजन में सहायता करते हैं। मंडल राजस्व अधिकारी, कृषि विभाग अधिकारी, पशु चिकित्सा अधिकारी, मंडल शिक्षाधिकारी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के वैद्य आदि इस सम्मेलन में भाग लेते हैं। सदस्यों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का अधिकारी उत्तर देते हैं।

समूहों में चर्चा कीजिए-

- मंडल परिषद विकास सम्मेलन में सदस्यों द्वारा पूछे गए कुछ प्रश्न तालिका में दिये गये हैं। उन प्रश्नों को पढ़िए। इन प्रश्नों के उत्तर कौनसे अधिकारी देते हैं, समूह में चर्चा करके लिखिए।

क्र.सं.	प्रश्न	उत्तर देने वाले अधिकारी
1.	किसानों को बीजों का वितरण कब करते हैं?	
2.	गाँव की सड़क लंबी है। गड्ढे हैं। आने जाने में कष्ट हो रहा है। कब मरम्मत करेंगे?	
3.	हमारे गाँव में मध्यह्न भोजन बनाने वालों को पैसों का भुगतान कब करेंगे?	
4.	हमारे गाँव की पाठशाला में लड़कियों के लिए समुचित शौचालय नहीं है। कब बनाएंगे?	
5.	हमारी पाठशाला के छात्रों के लिए ग्रंथालय पुस्तकें चाहिए?	
6.	गाँव के किसानों को खाद खरीदने के लिए कर्ज चाहिए। कितना मंजूर करेंगे? किस विधि से हमें खाद मिलेगा?	
7.	गाँव में कुछ गरीब लोगों को घर नहीं है। कब मंजूर करेंगे?	

7.3. सरकारी संस्थाएँ- जिला केंद्र- जिलाधीश कार्यालय

मोहन और किरण के परिवार अड़ोस-पड़ोस में रहते हैं। किरण अक्सर अस्वस्थ हो रहा है। अचानक एक दिन नीचे गिर गया। उसकी पत्नी ज्योति के रोने को देखकर मोहन ने तुरंत 108 को फोन किया। 108 वाहन पहुंच गई। किरण को सरकारी अस्पताल में दाखिल किया गया।

वैद्य परीक्षण करके बताया कि किरण को दिल का दौरा आया हे। और कहा कि अब तात्कालिक चिकित्सा कर चुके हैं। स्वास्थ्य के लिए कोई गंभीर चिंता की बात नहीं है, लेकिन एक महीने में दिल का ऑपरेशन करना चाहिए।

सलाह दी गई कि 'आरोग्यश्री' कार्ड के रहने पर ऑपरेशन

SCERT TELANGANA

नि:शुल्क होगा। इससे ज्योति ने यह जान लिया कि उनके पास सफेद राशन कार्ड है, इसलिए उसे 'आरोग्यश्री' कार्ड प्राप्त करने की योग्यता है। उसके लिए उसने जिलाधीश को आवेदन पत्र देने का निर्णय लिया। निम्न प्रारूप में जिलाधीश को आवेदन पत्र लिखा।

आवेदन-पत्र

दिनांक : 01.01.2013

सेवा में,
श्रीमान जिलाधीश
विकाराबाद जिला, तेलंगाना

महोदय,

विषय : स्वास्थ्य बीमा कानून द्वारा 'आरोग्यश्री' कार्ड जारी करने हेतु।

– – –

आपसे निवेदन है कि मेरा स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता है। अभी डॉक्टर ने बताया कि मुझे दिल का दौरा आया है। जल्द ही वैद्य परीक्षण करके ऑपरेशन करना होगा। ऑपरेशन के लिए आवश्यक धन मेरे पास नहीं है। मेरे पास सफेद राशन कार्ड है।

अत: आरोग्यश्री कार्ड दिलाने की कृपा करें। धन्यवाद।

भवदीय
किरण
ग्राम - पट्लूर, मं. मरपल्ली
जिला - विकाराबाद, तेलंगाना

संलग्न
1) सफेद राशन कार्ड
2) वैद्य परीक्षण प्रतिवेदन

दूसरे दिन किरण का परिवार जिलाधीश कार्यालय जाकर जिलाधीश से मिलकर सभी विषय की जानकारी दी। आवेदन पत्र उन्हें दिया। जिलाधीश उस आवेदन पत्र को जिला स्वास्थ्य बीमा विभाग के अधिकारी के पास भिजवाया। संबंधित अधिकारी ने एक सप्ताह में आरोग्यश्री कार्ड किरण के हवाले किय। आरोग्यश्री कार्ड से किरण ने नि:शुल्क चिकित्सा करवा ली। पूर्ण स्वस्थ होकर खुशी से वह घर लौट आया।

हमारे गांवों की जरूरतें पूर्ण करने के लिए जिला स्तर पर अनेक कार्यालय होते हैं। इनके द्वारा मंडल, ग्राम स्तर पर होने वाले कामों के लिए अनुदान जारी होता है। जिला स्तर पर जिले की जनता के उपयोगी अन्य संस्थाएं, सरकारी कार्यालय भी होते हैं।

संग्रह कीजिए-

- जिला केंद्र में जिलाधीश के कार्यालय के साथ-साथ और कौनसे कार्यालय रहते हैं। अपने अध्यापक से पूछकर तालिका में लिखिए।

SCERT TELANGANA

क्र.सं.	जिला स्तर के कार्यालय का नाम	अधिकारी का नाम	मुख्य कार्य

ग्राम स्तर से लेकर जिला स्तर तक विभिन्न सामाजिक संस्थाएं जनता की जरूरतें पूरी करने के लिए कार्य कर रही हैं। संस्थाओं के अधिकारी उनके दिए गए कार्य करते हैं।

समूह में चर्चा कीजिए-

- हड़ताल, बंद, धरना, रास्ता रोको जैसे संदर्भों में कुछ लोग कार्यालय, बसों को नष्ट पहुंचाते हैं। सरकारी संपत्ति हैं ना। हमारा क्या जाता है समझते हैं। सरकारी संपत्ति से तात्पर्य किसकी संपत्ति?
- इन संस्थाओं को धन कहां से आता है? कौन देते हैं?
- सरकारी संपत्ति को नष्ट न पहुंचे, उसके लिए हमें क्या करना चाहिए?

7.4. सरकारी संस्थाएँ-सरकारी संपत्ति

सरकारी संस्थाएँ नागरिकों की मौलिक आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं। इन कार्यों के लिए धन की आवश्यकता होती है। संस्थाओं के संचालन (निर्वाह) के लिए कार्यालय, कर्मचारी, उनके वेतन आदि के लिए भी धन की जरूरत होती है।

सामाजिक संस्थाओं और उनके निर्वाह और विभिन्न कामों के लिए आवश्यक धन हमारा ही है। हम सब सरकार को विभिन्न कर, फीस के रूप में भुगतान करते हैं। उस धन से ही सरकार अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करती है। सरकारी संपत्ति का अर्थ वह अपनी ही संपत्ति। उसकी रक्षा करके आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाना हम सब का कर्तव्य है। नहीं तो विकास नहीं होगा। सब नागरिक कर्तव्य निष्ठ रहें। देश हमारा है, संपत्ति भी हमारी है।

गलियों में रोशनी की व्यवस्था, जल कूप, पंचायत कार्यालय, अस्पताल ये सब हमारे लिए ही हैं ना। दिन में भी गलियों के बल्ब खुले रहना, नल से पानी का बेकार बहते रहना, सरकारी कार्यालयों के वरंडा, दरवाजे, खिड़कियां खराब करने का अर्थ यही है कि हम अपने आपको हानि पहुंचा रहे हैं। यह सब अपने ही हैं, इनकी हमें रक्षा करनी चाहिए।

SCERT TELANGANA

7.5. सूचना का अधिकार

माँ : क्यों रवि, कुछ दिनों से मैदान गए बिना घर के पास क्यों खेल रहे हैं?

रवि : ओह! वहाँ गंदे पानी की नाली से पानी बहकर दुर्गंध आ रही है माँ।

माँ : गंध आ रही है, तो गंदे पानी की नाली की समस्या के बारे में पंचायत कार्यालय में शिकायत करनी चाहिए। न कि घर के सामने इस तरह खेलना चाहिए।

राजु : चाची! इस समस्या के बारे में मेरे भय्या ने पाँच दिन पहले ही पंचायत कार्यालय में शिकायत लिखकर दिये हैं।

अरुण : शिकायत करने पर वे ध्यान देते हैं।

माँ : 12 अक्टूबर, 2005 से सूचना का अधिकार अधिनियम लागू हुआ। तबसे जनता की शिकायतों पर ध्यान दिया जा रहा है।

अरुण : चाची! सूचना का अधिकार अधिनियम का अर्थ क्या है?

माँ : सार्वजनिक संस्थाओं के पास जो समाचार है, उसको प्राप्त करने के अधिकार को ही सूचना का अधिकार कहते हैं। इसके अंतर्गत हम सरकार द्वारा किये जाने वाले कार्य, दस्तावेज, प्रतिवेदन आदि से संबंधित समाचार प्राप्त कर सकते हैं। उसकी प्रतियाँ भी प्राप्त कर सकते हैं।

सूचना (समाचार) का अधिकार अधिनियम-2005

सरकारी कार्यालयों से हम जो समाचार प्राप्त करना चाहते हैं, उस उद्देश्य का कानून ही सूचना अधिनियम है। सरकारी कार्यालयों के रिकार्ड, पत्र, मेमो, आदेश, प्रतिवेदनों से जो हमारी आवश्यकता है, उसकी जानकारी प्राप्त करने का अधिकार हमको है। इस कानून द्वारा समाचार प्राप्त करने का आवेदन पत्र संबंधित अधिकारी को देकर लिखितपूर्वक विवरण संबंधित अधिकारी से स्वीकार कर सकते हैं।

आवेदन पत्र सादे कागज पर भी लिखकर दे सकते हैं। इसके लिए नाम मात्र शुल्क भरना होगा। ग्राम स्तर पर समाचार प्राप्त करने के लिए कोई शुल्क नहीं देना पड़ेगा। गरीबी रेखा के नीचे रहने वालों को भी आवेदन पत्र शुल्क भुगतान करने की जरूरत नहीं है। आवेदन पत्र के तीस दिनों में संबंधित अधिकारी समाचार उपलब्ध कराएं। जीने का अधिकार व्यक्ति स्वतंत्रता से संबंधित विषय हो तो 48 घंटों में देना चाहिए।

केंद्र, राज्य स्तर पर सूचना कमिश्नर (सूचना आयुक्त) स्वतंत्र रूप से कार्य करते हैं। हर सरकारी कार्यालय में सार्वजनिक सूचना अधिकारी होता है। कार्यालय के सूचना पटल पर कौनसा समाचार कितने दिनों में उपलब्ध होगा, लिखा जाता है।

जनता सरकार का भाग है। हर कार्यालय की कार्यक्षमता आवश्यक समाचार पाने का अधिकार सबको है। सरकारी व्यवस्था का समाचार जनता को उपलब्ध कराना ही इस कानून का प्रधान उद्देश्य है।

रवि : माँ! अपने गांव में सभी कार्यालयों में विवरण उपलब्ध रहते हैं?

माँ : जरूर रखना चाहिए। समाचार उपलब्ध कराना अधिकारियों का कर्तव्य है। पूछकर जानना हमारा अधिकार है।

अरुणा : चाची! पूछकर जानने के लिए कहा है ना। फिर किससे पूछें?

माँ : बहुत अच्छा प्रश्न किया आरुणा। कार्यालयों में सार्वजनिक सूचना अधिकारी से पूछकर जान सकते हैं। समाचार का विवरण दस्तावेज (पत्र) के रूप में भी प्राप्त कर सकते हैं।

समाचार प्राप्त करने संबंधी आवेदन पत्र

दिनांक : ___________

जन समाचार अधिकारी,

ग्रामपंचायत कार्यालय का नाम,

बीजवरम (ग्राम)

मलडकल्ल (मंडल)

जोगुलांब गद्वाल

समाचार प्राप्त करने आवेदन पत्र

सूचना प्राप्त करने का अधिकार अधिनियम 2005, धारा 6(1) के अनुसार निम्न समाचार धारा 4(4) के अनुसार तेलुगु/हिंदी/अंग्रेजी में हर पृष्ठ को धारा 2(जे) (ii) के अनुसार सत्यापित कर जारी करने की कृपा करें।

वर्ष 2012-13 में ग्राम पंचायत को प्राप्त अनुदान से संबंधित निम्न विवरण उपलब्ध करवाएं।

वर्ष 2012-13 में प्राप्त कुल अनुदान___________ रुपये

उस राशि को कौनसे कामों के लिए कितना खर्च किए हैं?___________

खर्च के बाद रकम बची है? ___________

अगर बची है तो कितने रुपये?___________

आवेदन पत्र शुल्क रुपये १०/- चालान के रूप में भुगतान कर रहा हूं। पावती देने की कृपा करें।

आवेदक के हस्ताक्षर

नाम : वेंकट

पता:

ग्राम: बिज्वारम

मं : मलडकल्ल___________

जिला: जोगुलांब गद्वाल___________

SCERT TELANGANA

राजु : चाची! हमारे भैय्या ने गंदे पानी के नाली की समस्या के बारे में पांच दिन पहले पंचायत कार्यालय में शिकायत की है ना! उस विषय के बारे में क्या हुआ, अब हम पूछकर मालूम कर सकते हैं?

माँ : मालूम कर सकते हो, 30 दिन में समाचार देना चाहिए।

अरुणा : 30 दिन में समाचार न देने पर?

माँ : उनसे उच्च अधिकारी के पास अपील करना। सफेद कागज लाओ। आवेदन पत्र कैसे लिखना है बताऊंगी। (मां के कहे अनुसार बच्चे सफेद कागज पर लिखकर माँ के साथ मिलकर ग्राम सचिव से मिलते हैं)

राजु, रवि, अरुणा, मां : नमस्ते सर! आपसे मिलने आए हैं सर।

ग्राम सचिव : बच्चो ! तुम्हें क्या चाहिए?

माँ : सर! ये लोग हर दिन जिस मैदान में खेलते हैं, उसमें गंदा पानी बह रहा है, जिससे दुर्गंध आ रही है। इसके बारे में राजु के भैय्या ने पांच दिन पहले शिकायत की है।

ग्राम सचिव : काम वाले गंदे पानी की नालियों की प्रतिदिन सफाई कर रहे हैं ना।

राजु : नहीं सर! बहुत दिनों से गंदे पानी की नालियों की सफाई कोई नहीं कर रहा है।

अरुणा : वास्तव में गंदे पानी की नालियों की सफाई कौन करते हैं? कितने दिन में एक बार साफ करते हैं?

ग्राम सचिव : यह सब विवरण आपको क्यों?

मां : ऐसा मत कहिए। सूचना का अधिकार अधिनियम के अनुसार जानने का अधिकार सबको है। बच्चों आवेदन-पत्र दीजिए।

ग्राम सचिव : (आवेदन पत्र लेकर) ठीक है, आप जाइए।

बच्चे : (फिर रसीद! (पावती)

ग्राम सचिव : अच्छा बच्चों! (रसीद लिखकर) यह लीजिए। अभी गंदे पानी की नाली साफ करवाता हूँ। बच्चों, तुमने समाचार पूछा है ना। पंचायत सफाई कर्मचारी को गंदे पानी के नाली की हर दिन सफाई करनी चाहिए। यह समाचार तुम्हें उत्तर की तरह भिजवाऊंगा।

समूहों में चर्चा कीजिए-

- सूचना का अधिकार अधिनियम का उपयोग हम किन संदर्भों में कर सकते हैं?
- अपने गांव की समस्याओं के बारे में क्या समाचार जानना चाहते हो? इसके लिए आवेदन पत्र लिखिए।

SCERT TELANGANA

मुख्य शब्द:

1. सरकारी संस्था	6. ग्राम पंचायत	11. राशन कार्ड
2. सामान	7. मंडल परिषद	12. आरोग्यश्री कार्ड
3. शिकायत	8. जिलाधीश कार्यालय	13. सरकारी संपत्ति
4. प्रतिवेदन	9. सर्व सदस्य बैठक	14. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र
5. ऋण (कर्ज)	10. मंडल परिषद अध्यक्ष	15. पशु चिकित्सालय

हम कहां तक सीख चुके?

1. विषय की समझ

अ) सरकारी संस्थाएँ किसे कहते हैं? उदाहरण लिखिए।

आ) अपने ग्राम पंचायत की सेवाएँ बताइए।

इ) आपके गाँव में कौन-कौन सी समस्याएँ हैं? क्या ग्राम पंचायत इन्हें दूर करता है?

ई) आपके मंडल का नाम क्या है? वहां कौन कौन से कार्यालय हैं?

उ) आपके जिले का नाम क्या है? आपका जिला केंद्र कहां है? वहां कौन कौन से कार्यालय हैं?

ऊ) मंडल विकास कार्यालय, तहसीलदार कार्यालय के कार्यों में क्या अंतर है?

ऋ) एक परिवार को एक से ज्यादा राशन कार्ड नहीं देते, क्यों?

ऐ) सूचना के अधिकार से क्या लाभ है? तुम क्या सूचना चाहते हो?

ऐ) आपके गाँव की किन समस्याओं को जानने के लिए आप सूचना के अधिकार का उपयोग करेंगे।

2. प्रश्न करना - अनुमान लगाना

- जिला केंद्र में किसी एक कार्यालय का नाम लिखिए। उस कार्यालय से जनता की क्या भलाई हो रही है मालूम करना है। उसके लिए कौनसे प्रश्न पूछेंगे?

3. प्रायोगिक कार्य - क्षेत्र परीक्षण

- आपके ग्राम में स्थित सरकारी संस्थाओं में जाकर देखिए कि वे क्या काम करते हैं। पता करके लिखिए।

SCERT TELANGANA

4. समाचार संकलन - परियोजना कार्य

अ) ग्राम पंचायत या मंडल केंद्र या किसी डाक कार्यालय जाइए। उस कार्यालय में कौन-कौन रहते हैं? क्या काम करते हैं? उस कार्यालय से जनता को होने वाले लाभ क्या हैं? विवरण प्राप्त करके प्रदर्शित कीजिए।

5. मानचित्र कौशल, चित्रांकन, नमूना निर्माण द्वारा भाव विस्तार

अ) अपने मंडल का मानचित्र खींचिए। आपके मंडल में कौनसी संस्थाएं हैं दर्शाएं?

आ) अपने जिले के मानचित्र में आपके मंडल को दर्शाएं। इसके बगल में और कौनसे मंडल हैं दर्शाएँ।

इ) आपके गाँव में कौनसे कार्यालय हैं, प्रत्येक को चिह्न से दर्शाएँ-

पाठशाला	△	अस्पताल	+
डाक खाना	P	बैंक	○

6. प्रशंसा, मूल्य, जैव-विविधता के प्रति जागरुकता-

अ) सरकारी कार्यालय, सामाजिक संस्थाएं जनता की संपत्ति हैं। इनको हानि न पहुंचे, इसके लिए हम क्या कर सकते हैं?

आ) तुम्हारी पाठशाला भी एक सामाजिक सेवा संस्था है। फिर आप अपने पाठशाला में करने योग्य, न करने योग्य काम लिखिए।

इ) गांव में होने वाली ग्राम सभा में, पाठशाला में होने वाली अभिभावक बैठक में माता-पिता को उपस्थित होना चाहिए। तभी मालूम होता है कि वहाँ क्या हो रहा है। फिर आप अपने माता-पिता की उपस्थिति के बारे में क्या करेंगे।

ई) तुम्हारा भाई, बहिन पाठशाला से यदि घर लौटकर नहीं आते हैं, तुब नजदीक के पुलिस स्थाने में लिखित शिकायत दर्ज करें।

मैं यह कर सकता हूँ?

1.	गाँव से जिला तक कहाँ-कहाँ कौनसी संस्थाएँ हैं, बता सकता हूँ।	हाँ/नहीं
2.	विभिन्न संस्थाओं से जनता को होने वाले लाभों का वर्णन कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं
3.	जिले के मानचित्र में, मंडल के मानचित्र में कार्यालयों को पहचान सकता हूँ।	हाँ/नहीं
4.	किसी भी संख्या से सूचना प्राप्त करने के लिए आवश्यक प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ/नहीं
5.	मंडल के मानचित्र में कहाँ-कहाँ कौनसे कार्यालय हैं पहचान सकता हूँ।	हाँ/नहीं
6.	सरकारी कार्यालय जनता की संपत्ति है। इसकी सुरक्षा के लिए हम क्या कर सकते हैं। वर्णन कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं

SCERT TELANGANA

8 गृह निर्माण-स्वच्छता (House construction – Sanitation)

हमें रहने के लिए घर चाहिए। गाँव और नगरों में कई प्रकार के घर होते हैं। निम्न चित्र में कुछ घर हैं। उन्हें देखेंगे -

समूह में चर्चा कीजिए-

- चित्र में किस प्रकार के घर हैं?
- तुम्हारे गाँव में किस-किस तरह के घर हैं?
- घर विभिन्न प्रकार के क्यों होते हैं?

8.1. गृह-कल-आज

पहले से तुलना की जाए तो गृह निर्माण में अनेक बदलाव आए हैं। पहले लोग कहाँ निवास करते थे? जानते हो किस प्रकार के गृहों में निवास करते थे?

यादगिरी थापी मिस्त्री है। पिछले बीस वर्षों से गृह निर्माण का कार्य कर रहा है। उसने गांवों में, नगरों में कई प्रकार के घरों का निर्माण किया है। आइए, यादगिरि द्वारा बनाए गए कुछ घर देखें। बीस वर्षों से सैकड़ों गृह निर्माण करने वाले यादगिरी ने गृह निर्माण में आए बदलाव के बारे में क्या कहा सुनेंगे!

SCERT TELANGANA

मेरे बचपन में हमारे माँ-बाप ने हमारा घर बनाया। हमारा मिट्टी से बनाया घर है। मैं और मेरे बहिन ने भी घर बनाने में सहायता की है। मिट्टी खोदकर पानी से मिलाकर तोंदे बनाए हैं। इन मिट्टी के तोंदो को जमाते हुए दीवार बनाई गई। चार दीवारें छ फीट ऊँची उठाने के बाद लकड़ी से बनी लक्कड़ों पर बाँस की

पतली पत्तियाँ डालकर, ताड़पत्रों से छत डाली गयी। नीम की लकड़ी कटवाकर बढ़ाई सत्यमय्या से दरवाजे खिड़कियाँ बनावाए गए। इनको दीवारों में लगाया गया। हमारी माँ कमरे की दीवारों और फर्श पर गोर का लेप करके विभिन्न आकार के चित्र उतारती थीं। शुभ कार्यों के समय दीवारों को हम ही चूना डालते थे। उन दिनों हमारा घर बनाने की सभी सामग्री यहीं पर लगभग निःशुल्क ही मिली। हमारा घर ठंडा रहता था।

समूह में चर्चा कीजिए-

- यादगिरि के लोग घर बनाने के लिए क्या-क्या सामग्री का प्रयोग किए हैं? इसमें क्या-क्या खरीदे होंगे? क्या निःशुल्क मिले होंगे?
- उस जमाने में बनाए गए मिट्टी के घर, आज के घरों में क्या अंतर है?
- क्या इस काल में भी मिट्टी के घर बना रहे हैं? या नहीं, क्यों?

8.2. मिट्टी के भवन

मैं 18 वर्ष की आयु में थापी मिस्त्री बना। पहले मिट्टी के भवन निर्माण करता था। क्या तुम्हें मालूम है? भवन की दीवारें मिट्टी से बनाते थे। ऊपर की छत भी मिट्टी की बनाते थे। उसके बाद रेती, चूना, 'डंग' में डालकर घुमाया जाता, उससे बने मिश्रित पदार्थ से दीवार जमाने में बनाते थे। प्राचीन काल के दुर्ग की दीवारें भी पत्थर चूने से बनी हुई ही हैं।

उन दिनों मैंने जली हुई ईंटे, चूने से कई बंगले बनाये हैं। इन बंगलों में रसोई घर, धान्य रखने के कमरे रहते थे। दीवारों को रेत, चूने के मिश्रण से पुताई की जाती थी। सागवान, मद्दी लकड़ी के लक्कड़ों पर बेंगलूर टाइल्स से ऊपरी छत बनाते थे। नीचे जमीन पर तांडूर, शाबाद के पत्थर बिछाए जाते थे। घर के चारों ओर ज्यादा खाली प्रवेश छोड़ा जाता था। हर घर में नीम का पेड़ लगाया जाता था। घर के सामने चबूतरे होते थे। रात के समय ज्यादा लोग आँगन में पलँग पर सोते थे।

घर के सामने चबूतरे रहने से क्या लाभ है?

बहुत धनवान लोग बंगले बनवाते थे। ईंट की दीवारें बनाते थे।

इस पर सिमेंट की प्लास्टरिंग करते थे। ऊपरी छत पर सिमेंट, कंकर, रेती से बनी कांक्रीट मिश्रण से स्लैब का निर्माण होता था।

समूह में चर्चा कीजिए-

- ईंट से दीवार बनाते समय ईंटों को कैसे रखा जाता है?
- बंगले बनाने में कौनसी सामग्री का उपयोग करते हैं? वह सामग्री कहां मिलती है?
- बंगले के निर्माण में कौन-कौन सहायता किये होंगे?

इसी बीच मैंने एक डूप्लेक्स मकान बनाया। घर के मालिक का नाम चक्रपाणि है। स्थल 36 गज लंबी 30 गज चौड़ी है। इंजीनियर से घर का नक्शा बनवाया।

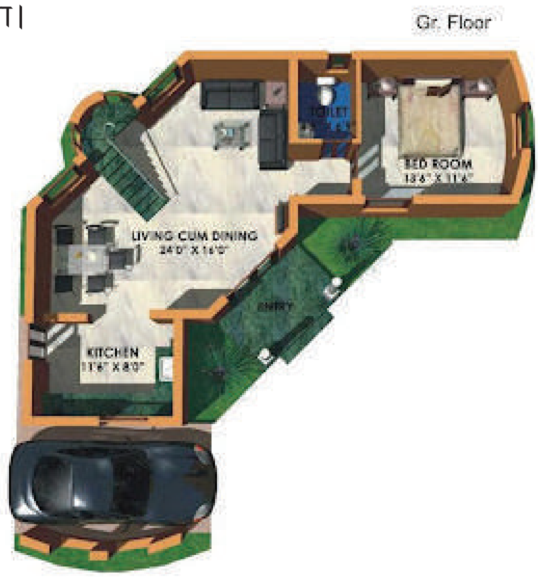

सोचिए...

चक्रपाणि के घर का नक्शा देखिए। पहले तल पर क्या-क्या है बताइए।

पहले सिमेंट कांक्रीट से आधार बनाकर, लोहे की सलाखों में कांक्रीट डालकर पिल्लर बनाए। सिमेंट की ईंटों से दीवार बनाए। विचित्र बात यह है कि हम जो सीमेंट ईंट का उपयोग किए हैं, वो बहुत हल्के हैं। पानी में डालने पर ऊपर तैर रहे हैं। स्लैब (छत) डालने के लिए लिफ्ट, वाइब्रेटर का उपयोग किए हैं। कमरे ठंडे रहने के लिए छत में प्लास्टर ऑफ पैरिस की शीटों से सीलिंग किए हैं। जमीन पर राजस्थान, उत्तर प्रदेश से मँगाया गया संगमरमर का पत्थर बिछाया गया। रसोई घर, स्नान गृह में सिरामिक्स टाइल्स लगाए हैं।

यह घर बनाने के लिए केवल मेरी निपुणता बस नहीं हुई। टाइल्स लगाने, पत्थर बिछाने, सीलिंग बनाने, रंग डालने, पाइप लाइन बनाने बहुत सारे कुशल कारीगरों की जरूरत पड़ी। घर के ऊपर लगाया गया सौर ऊर्जा फलक से घर के लिए आवश्यक बिजली का उत्पादन हो रहा है। पानी भी गरम हो रहा है। जो स्थल था पूरा घर बनाने के लिए पर्याप्त हुआ। मकान के ऊपरी छत पर प्लास्टिक शीट बिछाकर मिट्टी से खलिहान जैसा बनाकर उसमें तरकारी, फूलों के पौधे उगाने की व्यवस्था किए हैं। इसी को रूफ गार्डन कहते हैं।

सोचिए...

- डूप्लेक्स और साधारण मकान में क्या भेद हैं?
- रूफ गार्डन किसे कहते हैं? रूफ गार्डन बनाने का उद्देश्य क्या है?

8.3. गृहनिर्माण कैसे होता है?

आपके घर के करीब निर्माणाधीन किसी गृह के पास जाइए। जानकारी एकत्र करके लिखिए।

संग्रह कीजिए-

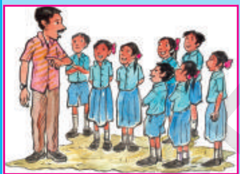

- गृह निर्माण कैसे हो रहा है? कितने स्थल में बना रहे हैं?
- कितने आदमी काम कर रहे हैं? कौन-कौन क्या काम कर रहे हैं?
- काम करने वालों को दैनिक भत्ता कितना दिया जा रहा है? (किन्हीं तीन से पूछकर लिखिए)
- गृह निर्माण के लिए कौन-कौन सी सामग्री का उपयोग कर रहे हैं? कौनसे औजार का उपयोग कर रहे हैं?
- यह सामग्री कैसे लेकर आए हैं? (ट्रैक्टर, लॉरी, आटो, बैलगाड़ी, रिक्शा आदि)
- एक कमरा बनाने मे कितनी ईंटे, कितने सीमेंट के थैले चाहिए?
- एक कमरा बनाने में लगभग कितना खर्च होगा?

SCERT TELANGANA

8.4. ईंट बनाने की विधि

गृह निर्माण के लिए ज्यादा मिट्टी से बनी ईंटों का ही उपयोग कर रहे हैं। हल्की, मजबूत, लाल रंग की गुणवत्ता वाली ईंटों की माँग रहती है। फिर इन ईंटों को कैसे तैयार करते हैं, क्या मालूम है? ईंट बनाने की विभिन्न दशाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे?

ईंट तैयार करने में निम्न दशाएं रहती हैं

- कच्ची मिट्टी इकट्ठा करना।
- कच्ची मिट्टी को कीचड़ के साथ मिलाना।
- इसको पानी से मिलाकर जानवरों से रौंदवाकर नरम बनाना।
- मिट्टी के तोंदों को ईंट के आकार वाले सांचे में डालकर, कच्ची ईंटो को दो दिन सुखाया जाता है।
- सूखी हुई कच्ची ईंटों को भट्टी के आकार में जमाया जाता है। धान की भूसी से जलाया जाता है। ईंट की भट्टी तीस दिन तक जलती है।
- ईंट लाल होने के बाद एक सप्ताह ठंडी करके घर बनाने वालों को बेचते हैं।

समूह में चर्चा कीजिए-

ईंट कैसे तैयार किया जाता है, आपने मालूम कर लिया न! नीचे के चित्र देखिए। ईंट तैयार करने के सोपान चित्रों के नीचे लिखिए।

1. ______________________

2. ______________________

3. ______________________

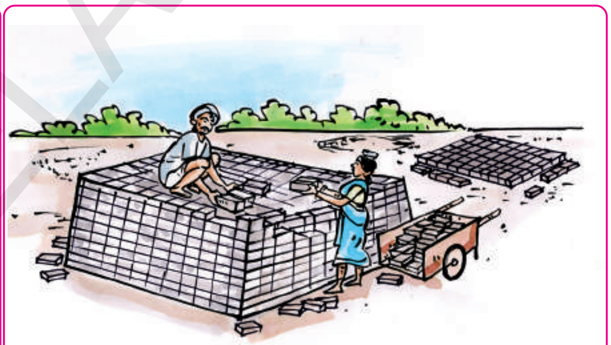

4. ______________________

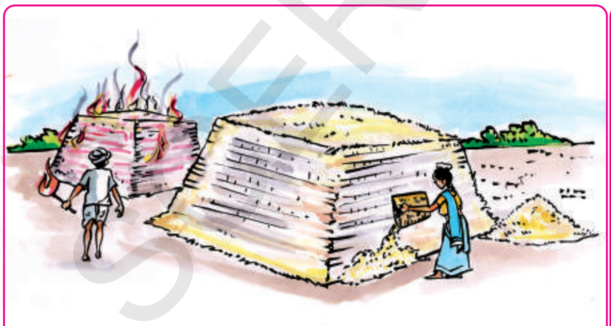

5. ______________________

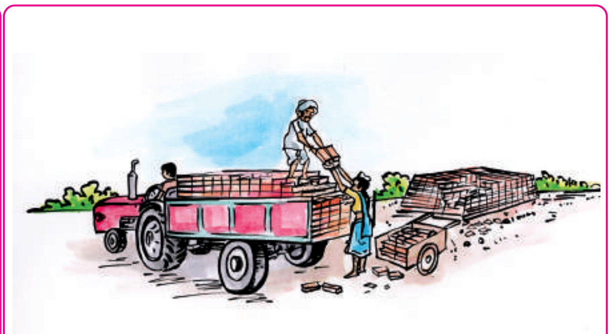

6. ______________________

घर निर्माण में ईंट के साथ-साथ पत्थर, रेत, सिमेंट, कंकड़, छड़, टाइल्स आदि का प्रयोग भी होता है। इनके बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे ।

SCERT TELANGANA

8.5. गृह निर्माण-अन्य सामग्री

घर बनाने के लिए ईंटों के साथ बुनियाद में उपयोगी पत्थर, फर्श पर बिछाने वाले पत्थर हमारे राज्य में तांडूर, बेतमचर्ला, खम्मम में विभिन्न रंगों में मिल रहे हैं।

तांडूर पत्थर

राजस्थान का संगमरमर

शाबाद पत्थर

खम्मम ग्रेनाइट

कांक्रीट मिश्रण बनाने के लिए कंकड़-पत्थर की आवश्यकता होती है। इसके लिए क्रशर का उपयोग करते हैं। बड़े-बड़े पत्थर मशीन में डालकर छोटे-छोटे कंकड़-पत्थर तैयार करते हैं। यह काम करने वाले मजदूर जरूरत पड़ने पर अपने आवास वहीं पर बना लेते हैं। उनके साथ उनके बच्चे भी वहीं पर रहते हैं।

स्टोन क्रशर मशीन

SCERT TELANGANA

सोचिए...

- क्या? मजदूरों के बच्चे पाठशाला जाते हैं? अगर वो नहीं पढ़े तो क्या होगा?
- ईंट की भट्टी गृह निर्माण स्थलों में रहने वाले मजदूरों को क्या सुविधाएँ चाहिए? वे किस तरह उपलब्ध कराए जाएँगे?

8.6. अपार्टमेंट का निर्माण

नगरों में भूमि का मूल्य बहुत ज्यादा रहता है। इसलिए कम स्थल पर ज्यादा घर वाले बड़े-बड़े अपार्टमेंट का निर्माण करते हैं। एक-एक अपार्टमेंट में 25-30 परिवारों के आवास योग्य निर्माण करते हैं। एक परिवार जिसमें रहता है, उसे 'फ्लैट' कहते हैं। आजकल बहुत ज्यादा परिवार अर्थात 50 से भी अधिक परिवारों के आवाज योग्य अपार्टमेंटों का निर्माण हो रहा है। अपार्टमेंट के निर्माण के लिए कौन-कौनसी वस्तुओं का उपयोग करते हैं? तुम्हें मालूम है? निम्न वस्तुओं की ओर ध्यान से देखिए।

कंकर मिश्रण यंत्र

क्रेन

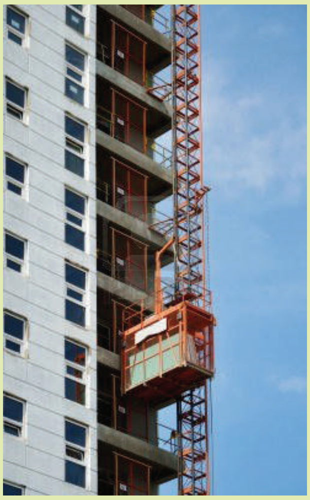

सामान ऊपर ले जाने वाला यंत्र

समूहों में चर्चा कीजिए-

- अपार्टमेंट की आवश्यकता क्या है? उससे क्या लाभ है?
- इन्हें इतना ऊंचा कैसे बनाया गया होगा सोंचिए?
- उतनी ऊंचाई तक निर्माण सामग्री कैसे पहुंयाई गई होगी?

सोचिए...

अपार्टमेंट साधारण गृहों के बीच क्या अंतर है बताइए?

साधारण रूप से अपार्टमेंटों में नीचे संगमरमर या टाइल्स लगाते हैं। क्या तुम्हारे प्रांत में यह मिलते हैं। ये तुम्हारे प्रांत में कहां से कैसे लाए गए पता करके बताइए।

साधारणतः घर के दरवाजे, खिड़कियाँ लकड़ी की होती हैं। आजकल लोहे का भी उपयोग कर रहे हैं। अपार्टमेंट में प्लाइवुड से बने दरवाजों का उपयोग हो रहा है। खिड़कियों और दरवाजों के लिए शीशे का भी उपयोग हो रहा है।

सोचिए...

दरवाजों, खिड़कियों आदि के लिए लकड़ी के बदले दूसरी सामग्री का उपयोग क्यों किए होंगे?

8.7. गृह-विविध प्राँत

गर्मी, जलपात, उपलब्ध सामग्री के आधार पर घरों का निर्माण होता है। अपने देश के विभिन्न प्रांतों रहने वाले गृहों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।

पूर्वोत्तर राज्य असम, मेघालय, नागालैंड में वर्षा अधिक होती है। वातावरण भीगा-भीगा रहता है। सन् 1826 में ब्रिटिश वालों ने यहाँ गृह बनाना आरंभ किया। यहाँ लकड़ी से बने घर अधिक दिखाई देते हैं। बाँस की लकड़ियों का उपयोग दीवार की तरह करते हैं। इसको गोबर से मिली नरम मिट्टी पोतते हैं। घर की छत अस्बस्तास से थोड़ा झुकी हुई बनाते हैं। निचला भाग स्लिट्स पर बनाते हैं। वर्षा का पानी जाने वाले मार्ग को 'स्टिल' कहते हैं।

सोचिए...

घर की छत अस्बस्तास से एक ओर झुका हुआ क्यों रखते हैं?

SCERT TELANGANA

कश्मीर बहुत ठंडा प्रदेश है। यहाँ तापमान कभी-कभी शून्य डिग्री से भी कम हो जाता है। यहां पर्वतों पर घर होते हैं। श्रीनगर में दल शील में 'डोंगा' नाम नाव घरों में यात्री विहार करते हैं।

क्या तुम्हें मालूम है?

अपने राज्य में तांडूर क्षेत्र में रंगीन पत्थर उपलब्ध होते हैं। इस प्रांत में पत्थर कम मूल्य में मिलते हैं, इसलिए घर की दीवारें, छत, फ्लोरिंग सब पत्थर से ही निर्माण करते हैं। पत्थर की छत। क्या विचित्र नहीं है। उसी तरह समुद्र के किनारे वाले प्रांतों में नारियल के पत्तों को, नल्लमला, मन्यम जंगलों में बांस का प्रयोग गृह निर्माण के लिए ज्यादा करते हैं।

8.8. गृह-समस्याएँ

हमारे जीवन यापन के लिए गृह आवश्यक है ना। तो फिर हमारे चारों ओर रहने वालों में बहुत सारे लोगों को निजी गृह नहीं होते हैं। अपने राज्य में बहुत सारे लोग निर्धन हैं। वे सब किराये के घरों में, अस्थाई निवास स्थानों में रहते हैं। गरीबों के लिए सरकार घर बनाकर दे रही है।

समूह में चर्चा कीजिए-

- बच्चों! आप सबके निजी घर हैं? आपका घर किस प्रकार का है?
- सबेरे निजी घर नहीं है, क्यों?
- जिनका निजी घर नहीं है उनकी क्या समस्याएँ हैं?
- आपके घरो में क्या-क्या सुविधाएँ हैं? आपको कैसे घर पसंद हैं?
- घर की सुविधाओं में इस तरह अंतर के कारण क्या हो सकते हैं?

SCERT TELANGANA

नगरों में गरीब लोग नालियों के छोर पर, नदी के किनारे, सरकारी स्थलों के रिक्त जगह पर झोपड़ियाँ डालकर निवास करते रहते हैं। हैदराबाद की एक झोपड़पट्टी का चित्र देखिए। लोग यहाँ क्यों रहते हैं?

सोचिए...

झोपड़पट्टी इतना अस्वच्छ क्यों रहती है?

8.9. घर के बाहर मल विसर्जन

ग्रामीण प्राँतों में अभी भी बहुत सारे घरों में शौचालय नहीं है। कुछ लोग शौचालय रहने पर भी घर के बाहर ही मल विसर्जन कर रहे हैं। यह एक बुरी आदत है। इसके कारण अनेक हानियाँ हैं। मल पर बैठी मक्खियों से जीवाणु फैलते हैं। नालियों के छोर, तालाब के बाँध के पास मल विसर्जन करने से वर्षा द्वारा वह पानी में पहुँच जाता है। ऐसे पानी को पीने से और दूषित खाद्य पदार्थ खाने से कलरा, टाइफाइड जैसी बिमारियाँ फैलती हैं। खुले प्रदेश में मल विसर्जन करने से केंचुए फैलते हैं। पेट में केंचुए रहने

पर रक्तहीनता होती है। अपना खाना केंचुए खा लेते है। हम निर्बल हो जाते हैं। साल में दो बार पेट से केंचुए दूर करने डीवार्मिंग की गोलियाँ खानी चाहिए।

8.10. संपूर्ण स्वच्छता अभियान

सबके लिए शौचालय उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रयत्न कर रही है। कमजोर वर्ग के लिए शौचालय निर्माण के लिए आर्थिक सहायता कर रही है। आपके गाँव में कितने लोगों ने इसका उपयोग किया है?

घर में शौचालय रहने पर ही गृहस्थी बनने की बात अनीता बाई ने कहा-

चित्र में दिखाई दे रही महिला का नाम अनीता बाई है। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में चिचौली इनका ग्राम है। 2011 में रतनपुर ग्रामवासी शिवराम से विवाह हुआ। ससुराल वालों के घर कदम रखते ही वहां शौचालय न होने के कारण अनीता बाई को कठिनाई हुई। शौचालय के न होने के कारण अनीता बाई अपने मायके गई और कहा कि ससुराल वालों के घर में शौचालय निर्माण करने पर ही गृहस्थी करने जाऊंगी। इसके बारे में उनके परिवार में, गांव में चर्चा हुई। सबने कहा कि अनीता बाई ने जो कहा वो सच है। जब अनीता बाई के ससुराल वालों के घर में शौचालय बनाया गया। उसी तरह उस ग्राम के सब लोगों ने शौचालय बनवा लिए। इस तरह अनीता बाई स्वच्छता क्रांति की कारक बनी। यह घटना राष्ट्रीय स्तर पर महत्व प्राप्त की। केंद्रीय ग्रामीण विकास विभाग मंत्री जयराम रमेश ने इन्हें 'सुलभ सानिटेशन अवार्ड' के रूप में पांच लाख रुपये का चेक उपहार में दिया। उस समय के राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल, प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने भी इनकी प्रशंसा की।

केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश जी से नगर उपहार लेती हुई अनीताबाई

क्या तुम्हें मालूम है?

100 प्रतिशत स्वच्छता वाले गांव, विशेषकर गांव के सभी घरों में शौचालय रहरक गांव में सफाई की व्यवस्था सही रहने पर उस गावं को 'निर्मल पुरस्कार' दिया जाता है। इसके कार्यान्वियन करने वालों को राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया जाता है। तुम्हारे जिले/मंडल में इस तरह निर्मल पुरस्कार प्राप्त करने वाले कितने गांव हैं, पता करके बताइए।

भारत के राष्ट्रपति द्वारा निर्मल पुरस्कार स्वीकार करना

SCERT TELANGANA

8.11. स्वच्छता जरूरत

आरोग्य ही महाभाग्य कहा जाता है। अस्वच्छता (गंदगी) के कारण अनेक बीमारियां फैलती हैं। हमारे स्वास्थ्य के लिए अस्वच्छता प्रथम शत्रु है। निम्न चित्र देखिए। क्या हो रहा है बताइए। इसके कारण किस तरह की हानि हो रही है?

समूह में चर्चा कीजिए-

- क्या कचरा इस तरह फेंकना उचित है? सोचिए।
- क्या इस तरह करने से होने वाले नुकसान के बारे में चर्चा कीजिए?
- तुम्हारे घर/पाठशाला के कचरे को क्या करते हैं?
- **क्या सब** कचरा व्यर्थ होता है? क्या फिर किसी के लिए प्रयोग कर सकते हैं?
- घर में कचरा कम करने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

8.12. घर में कचरा

तुम्हारे घर में जमा होने वाले व्यर्थ सामान देखिए। इसमें क्या-क्या हैं? खाद्य पदार्थ, पत्ते, फलों का छिलका जैसे कच्चा कचरा, कवर, कागज के टुकड़े जैसे हैं ना?

कच्चा कचरा जल्दी गलकर मिट्टी में मिल जाता है। इसलिए इसे कंपोस्ट के गड्ढे में डालना चाहिए। सूखे कचरे को पुनः उत्पादन (री-साइकिल) करने का मौका रहता है। इनका संग्रह करने वालों को देना चाहिए। नगरों में नगर निगम वाले कच्चा कचरा, सूखा कचरा अलग-अलग इकट्ठा करने की व्यवस्था कर रहे हैं। नगर पालिका की वाहन आपके घर के सामने आए तब कच्चा, सूखा कचरे के डिब्बे उन्हें सौंपने चाहिए।

घर के परिसर में, पाठशाला में जमा हुआ कचरा, पत्तों को जमा करके जलाना सही नहीं है। इसके कारण वायु प्रदूषण होता है। ऐसा करना पर्यावरण के लिए हानिकारक है।

सोचिए...

तुम्हारे घर में कितने प्रकार का कचरा रहता है? इस कचरे को तुम क्या करते हो? इसमें कच्चा कचरा कौनसा है? सूखा कचरा कौनसा है?

SCERT TELANGANA

क्या तुम्हें मालूम है?

चंडीगढ़ में लेकचंद्र नामक व्यक्ति ने जनता द्वारा फेंके गए कचरे का संग्रह करके उसे निर्माण सामग्री में परिवर्तित करके सुंदर 'राक गार्डन' का निर्माण किया।

अपने अड़ोस-पड़ोस को स्वच्छ रखना जितना मुख्य है, कचरा रहित बनाना भी उतना ही मुख्य है। सोचिए कि घर में उत्पनह्नन होने वाले कचरे को कैसा कम कर सकते हैं। पर्यावरण के संरक्षण के लिए यह तीन सूत्र का पालन सबको करना चाहिए।

1. **कचरे को कम करना-** आवश्यक वस्तुओं को जितनी जरूरत है, उतना ही उपयोग करने से कचरा कम कर सकते हैं या पूरा बंद कर सकते हैं। उपयोग करके फेंकने योग्य प्लास्टिक के ग्लास, प्लेट, थैलियां, चाय गिलास, चम्मचों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। उनका एक दिन/एक बार उपयोग करके फेंकने से जहां देखे वहां ढेर लग जाता है। वातावरण प्रदूषण, पानी में डालने से उसमें रहकर जलप्रदूषण होकर पौधे, मछलियां मर रहे हैं। इस प्लास्टिक के बदले स्टील, लौह से बनी चीजें प्रयोग करना चाहिए। इन्हें बार-बार उपयोग कर सकते हैं। फेंकने की जरूरत नहीं रहती।

2. **पुनः प्रयोग-** औजार मरम्मत करके या रीफिलिंग करके उपयोग करना, थैले, कवर जैसे बिना फेंके पुनः प्रयोग कर सकते हैं। ऐसा करने से प्लास्टिक का प्रयोग कम करने वाले बनेंगे।

3. **पुनः उत्पादन (री साइक्लिंग)-** लोहा, प्लास्टिक, शीशा, कागज, इलाक्ट्रॉनिक वस्तुओं का पुनः उत्पादन द्वारा कई वस्तुएं बनाते हैं। इस तरह री-साइक्लिंग करने से कचरे को कम कर सकते हैं।

सोचिए...

अपनी पाठशाला में कंपोस्ट गड्ढे की व्यवस्था कीजिए। इसमें पेड़ों के पत्ते आदि कचरा डालिए। मिट्टी से ढंक दीजिए। एक महीने में तैयार कंपोस्ट पाठशाला के बगीचे के पौधों में डालिए।

8.13. अच्छा गृह कैसा हो?

हरे पौधे, स्वच्छता, हवा, रोशनी अबाध गति से प्राप्त होने वाला घर उल्लासमय रहता है ना। इस तरह का वातावरण होने से वह अच्छा गृह होता है। चित्र में दिखाई दे रहा गृह कैसा है?

SCERT TELANGANA

मुख्य शब्द:

1. थापी मिस्त्री	6. अपार्टमेंट	11. रूफ गार्डन
2. गृह निर्माण	7. मिट्टी के बंगले	12. ईंट की भट्टी
3. खपरैल का घर	8. घर की छत	13. पत्थर क्रशर, क्रेन
4. भवन	9. गृह नक्शा	14. झोपड़पट्टी
5. कच्चा कचरा	10. सीमेंट कांक्रीट	15. सफाई/स्वच्छता

हमने क्या सीखा?

1. विषय की समझ

अ) आपके प्राँत में किस प्रकार के घर हैं?

आ) गृह निर्माण में स्थानीय मिलने वाले दूसरे प्रांतों से लाने वाली सामग्री की तालिका लिखिए।

इ) गृह निर्माण में कौन-कौन भाग लेते हैं? उन्हें क्या कहते हैं?

ई) बहुत सारे लोगों को अभी भी निजी घर नहीं है, क्यों?

उ) कई तल वाले भवन क्यों निर्माण कर रहे हैं? इनके क्या लाभ हैं? लिखिए।

ऊ) तुम्हारा घर स्वच्छ रहे, इसके लिए तुम क्या करोगे?

ऋ) कुछ घरों में सभी सुविधाएँ होती हैं? क्यों?

2. प्रश्न करना-अनुमान लगाना

अ) श्रीधर अभी-अभी मोटर साइकिल पर भारत की यात्रा कर आया है। देश के विभिन्न प्रांतों में कैसे गृह है जानने के लिए उससे कौनसे प्रश्न पूछेंगे?

आ) बिलाल गृह निर्माण कराना चाह रहा है। गृह निर्माण के बारे में मिस्त्री से क्या-क्या प्रश्न पूछे होंगे लिखिए?

3. प्रायोगिक कार्य - क्षेत्र निरीक्षण

किसी एक सरकारी सहायता से बनाये घर का निरीक्षण करके तालिका पूर्ति कीजिए।

अ) बेसमेंट की ऊंचाई .... गज

आ) कमरों की संख्या ....

इ) जल की व्यवस्था .... है/नहीं

ई) शौचालय .... है/नहीं

उ) चहार दीवार .... है/नहीं
अगर है तो लंबाई .... गज

SCERT TELANGANA

4. समाचार संकलन - परियोजना कार्य

- अपने निकट के पांच घर जाकर सूचना प्राप्त करके लिखिए-

क्र.सं.	परिवार के मालिक का नाम	कचरा कहाँ डाल रहे हैं?			
		गोबर आदि का जमाव	कचरे की कुंडी	दीवार के पास	सड़क पर

5. मानचित्र कौशल, चित्रांकन, नमूना निर्माण द्वारा भाव विस्तार

अ) आप जिस घर में हैं, उसका नक्शा खींचिए। उसमें क्या-क्या हैं? पहचानिए।

आ) कल्पना कीजिए कि सुंदर, स्वच्छ घर कैसा होता है। उस घर का चित्र चार्ट पर खींचिए। रंग भरिए। घर के बारे में पांच-छह वाक्य लिखिए। कक्षा में प्रदर्शन कीजिए।

6. प्रशंसा, मूल्य, जैव-विविधता संबंधी जागरूकता

अ) गृह निर्माण में बहुत सारे मजदूरों की मेहनत की आवश्यकता रहती है ना। उनके श्रम की तुम किस तरह प्रशंसा करोगे?

आ) तुम्हारे गांव में, मोहल्ले में अच्छा घर किसका है, वह अच्छा क्यों है कारण लिखिए।

इ) तुम्हारा घर पौधों, पक्षियों, जानवरों से चहचहाने के लिए तुम क्या करोगे?

क्या मैं ये कर सकता हूँ?

1. गृह निर्माण के बारे में आवश्यक सामग्री के बारे में, विभिन्न प्रकार के घरों के बारे में वर्णन कर सकता हूँ। हाँ/नहीं
2. घर, गृह निर्माण के बारे में थापी मिस्त्री से प्रश्न पूछ सकता हूँ। हाँ/नहीं
3. पास के घरों को जाकर सूचना इकट्ठा करके तालिका में लिखकर वर्णन कर सकता हूँ। हाँ/नहीं
4. हमारे घर का नक्शा, सुंदर घर का चित्र खींचकर वर्णन कर सकता हूँ। हाँ/नहीं
5. मजदूरों के श्रम की प्रशंसा कर सकता हूं। जैव-विविधता के लिए प्रयत्न कर सकता हूँ। हाँ/नहीं

SCERT TELANGANA

9 हमारे गाँव - हमारे तालाब
(Our Village – Our Tanks)

मेरा नाम वरलक्ष्मी है। हमारा किसान परिवार है। हमारे पुरुखों के ज़माने से कृषि कर रहे हैं। हमारे कृषि का आधार नागुल तालाब है। पिछले दो वर्षों से नागुल तालाब भरा नहीं। इसलिए वर्षा पर आधारित खेती करना पड़ रहा है।

मित्रों से चर्चा कीजिए-लिखिए

तालाब भरने पर उगाई जाने वाली फसलें	तालाब न भरने पर उगाई जाने वाली फसलें

पिछले दो वर्षों से वर्षा सही नहीं हुई है इसलिए धान की फलस सही नहीं हो रही है। इसलिए हमेशा तालाब के नीचे बोने वाले धान के बदले जवार, मूँगफली, कुलथी, मड़ुआ की फसल बोये हैं। वर्षा न होने के कारण ये फसल भी सही नहीं हुई।

सोंचिए

पर्याप्त वर्षा न हो तो क्या होगा ?

इस वर्ष भी आरंभ से वर्षा नहीं हुई। लेकिन तीन दिन से बहुत वर्षा हो रही है। यह वर्षा खेती के लिए बहुत उपयोगी होती है।

बारिश अगर रुकी तो नागुल तालाब के पास जाना चाहती हूँ। लेकिन तालाब की ओर जाने के मार्ग में लद्दमडुगु नामक छोटी नहर बहने के कारण उसको पार करके नागुल तालाब के पास नहीं जा सकी।

बच्चों ! वर्षाकाल में छोटे-छोटे नदी-नालों में प्रवाह तेज़ रहता है। इसलिए उसमें उतरना नहीं। उसमें उतरने पर प्रवाह से बह जाएँगे। आप लोग भी मत उतरें सावधान!

दोपहर के बात वर्षा कुछ कम हुई। धूप निकल आई। रिम-झिम बूँदे गिर रही हैं। आसमान में इंद्रधनुष दिखाई दी।

SCERT TELANGANA

जल्दी-जल्दी नागुल तालाब के पास पहुँच गई हूँ। तब तक वहाँ हन्मय्या, सत्यप्पा, रामगोपाल नायक, पुलप्प, मन्नेपुरेड्डी हैं। गौरी, अन्नपूर्णा भी वहाँ आए। उन्होंने देखा कि बारिश का पानी तालाब में पहुँच रहा है। तालाब भरकर अतिरिक्त पानी बह रहा है।

पानी भरकर अतिरिक्त बहने का क्या अर्थ हो सकता है?

____

तालाब भरना, बारिश का पानी, उगाई जाने वाली फसले, तालाब के बाँध की मजबूती के बारे में सब लोगों ने बातचीत की। इस बार दो बार फसल उगाने की खुशी से कुछ लोग खेतों की ओर **और** कुछ लोग घर की ओर गए।

मैं भी तालाब का बाँध उतरकर खेतों की ओर जा रही थी कि नरहरी दिखाई दिया। हमारे गाँव के साथ, अड़ोस-पड़ोस के गाँवों के प्रत्येक परिवार के बारे में, तालाबों, फसलों, देवालयों के बारे में उसे जानकारी प्राप्त है। वह हमेशा तालाब के बारे में पुरानी जानकारी देते रहता है।

संग्रह कीजिए

आपके इर्द-गिर्द कौन-कौन से तालाब हैं? इससे क्या लाभ है।

तालब का गाँव	तालाब का नाम	उपयोग

9.1. नागुल तालाब का इतिहास

मेरा नाम नरहरी है। हमें नागुल तालाब के नीचे थोड़ी बहुत खेती है। हम खेती करते हैं। लेकिन गाँव का इतिहास बताना हमारा प्रधान पेशा है। हमारे बाप-दादा से यह काम कर रहे हैं। नागुल तालाब के बारे में मुझे अच्छा मालूम है। हमारे पिता और पूर्वज भी इस तालाब के बारे में बताए हैं। पानी से भरे हुए तालाब को देखने पर वो सारे विषय याद आते हैं।

अब जहाँ नागुल तालाब है वहाँ पहले बड़ा जलाशय था। थोड़ी बहुत वर्षा होते ही वह पूरा भर जाता था। जलाशय के छोटे बाँध के द्वारा खेतों की सिंचाई होती थी। जलाशय के नीचे स्थित कुछ लोगों के खेतों के लिए पानी पर्याप्त होता था। मल्लिकार्जुन नामक किसान ने सभी खेतों को पानी उपलब्ध कराने की विनती तहसीलदार से की। इंजनीयर अब्दुल बारी उस जलाशय के चारों ओर के प्रांतों का निरीक्षण करके जलाशय को तालाब बनाने की योजना बनायी।

सोंचिए....

जलाशय, तालाब के बींच क्या भेद है?

9.2. तालाब का निर्माण

तालाब का निर्माण कार्य शुरू हुआ। प्रत्येक परिवार से सभी लोगों ने जिम्मेदारी के साथ कामों में भाग लिया। गाँव की जनता ने सब एक होकर निर्माण कार्य में भाग लिया।

पानी का प्रवाह कहाँ से आ रहा है, निरीक्षण किया।

प्रवाह का अर्थ ______________________________

____

प्रवाह का पानी ज्यादा आने वाले प्राँतों से सीधे नहरें बनाकर उस जलाशय में मिला दिया। बाद में तालाब का बाँध बनाना आरंभ किया। बैल गाड़ियों में आस-पास के गाँवों से मिट्टी लाकर, ऊँचा बाँध बनाया। अंदर की ओर पत्थर जमाकर बनाया गया। इसके लिए गाँव के बाहर के पहाड़ से पत्थर काटकर लाए। तालाब के बाँध की दोनों तरफ़ दो जल द्वार बनाए गए।

सोंचिए....

जल द्वार किसे कहते है?

तालाबों को जल द्वार(फाटक) क्यों रहते हैं?

फाटक बनाते समय इंजनीयर अब्दुल बारी ने स्वयं आकर वह कार्य पूरा किया। तालाब में पानी कितना पहुँचा ? कितना पानी रहने पर खेतों के लिए छोड़ने का मापन लगाया गया। अभी भी वह सफेद रंग में है। फाटक को फिराने की विधि को उस समय सब अश्चर्य से देखते थे। फाटक के स्तंभ को ऊपर उठाने पर तालाब का पानी नहर में बहता है। फाटक के स्तंभ को नीचे करने पर पानी बहना रुक जाता है।

क्या तुम्हें मालूम है?

कुछ तालाब नहरों से एक दूसरे से मिले रहते हैं। वर्षाकाल में एक तालाब पूर्ण होते ही पानी नहर के द्वार दूसरे तालाब में पहुँचता है। काकतीय, निज़ाम राजाओं ने इस तरह के तालाबों का निर्माण पूरे तेलंगाना में करवाया।

फाटक के निर्माण के बाद चादर का काम शुरू हुआ। तालाब भरने के बाद आए हुए पानी के बहने के लिए एक तरफ पूरे पत्थरों से चादर बनाए। चादर बहने के स्थान पर जमीन में दरार न आने के लिए बड़े-बड़ी पत्थर रखे गए। गाँव के मिस्त्रियों के इसके लिए कुछ मेहनत की है। तालाब बनाते समय सबके लिए भोजन एक ही जगह पकाते थे। दोपहर के समय सब लोग एक जगह बैठकर भोजन करते थे क्या -क्या काम कैसे करना चाहिए चर्चा करते थे। बाद में नहरें खोदना शुरू किया। दो फाटकों से बहने वाला जल चार नहरों से सभी खेतों को पहुँचने में अनुकूल नहरें खोदी गई। बाद के काल में इन नहरों को पत्थर, सिमेंट से बनाया गया।

समूह में चर्चा कीजिए:

- तालाब के निर्माण में फाटक, नहरें, चादर क्यों आवश्यक है?

तालाब निर्माण के तुरंत बाद के वर्ष में वर्षा बहुत हुई। तालाब के नीचे वाले खेतों में धान की फसल बोई गई। खेती अच्छा होने से जनता के जीवन में सुधार आया उनके जीवन में बहुत बड़ा परिवर्तन आया। हमारे परिवार को भी आर्थिक कठिनाइयों से छुटकारा मिला।

संग्रह कीजिए:

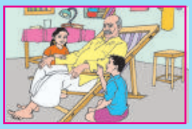

- आपके निकट के तालाब का निर्माण कैसे हुआ विवरण संग्रह करके लिखिए।
- आपके निकट के तालाबों का दर्शन कीजिए। वह कितने स्थल पर फैले हुए हैं लिखिए।

SCERT TELANGANA

9.3. राज्य के बड़े तालाब

नागुल तालाब की तरह अपने राज्य में कई तालाब हैं। राज्य के कुछ बड़े तालाबों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे !

9.3.1. रामप्पा तालाब

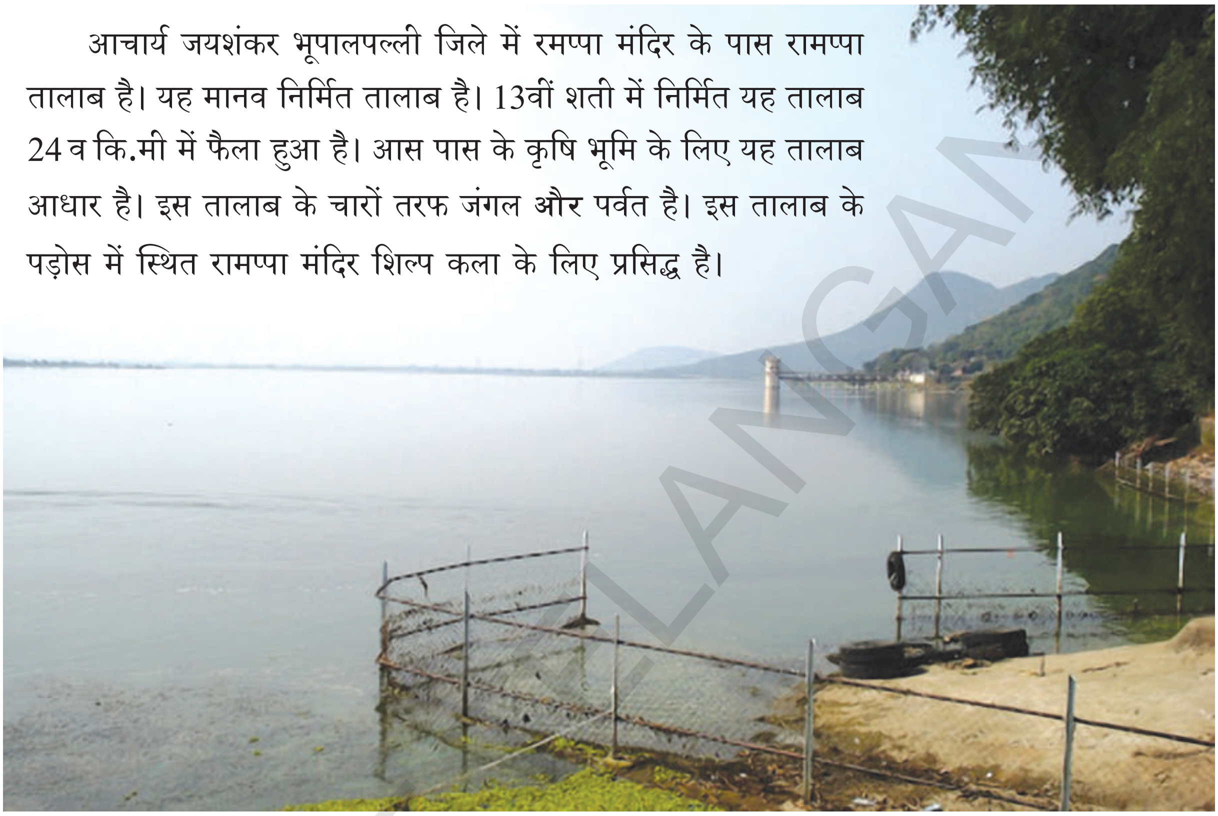

आचार्य जयशंकर भूपालपल्ली जिले में रमप्पा मंदिर के पास रामप्पा तालाब है। यह मानव निर्मित तालाब है। 13वीं शती में निर्मित यह तालाब 24 व कि.मी में फैला हुआ है। आस पास के कृषि भूमि के लिए यह तालाब आधार है। इस तालाब के चारों तरफ जंगल और पर्वत है। इस तालाब के पड़ोस में स्थित रामप्पा मंदिर शिल्प कला के लिए प्रसिद्ध है।

9..3.2. पानगल तालाब

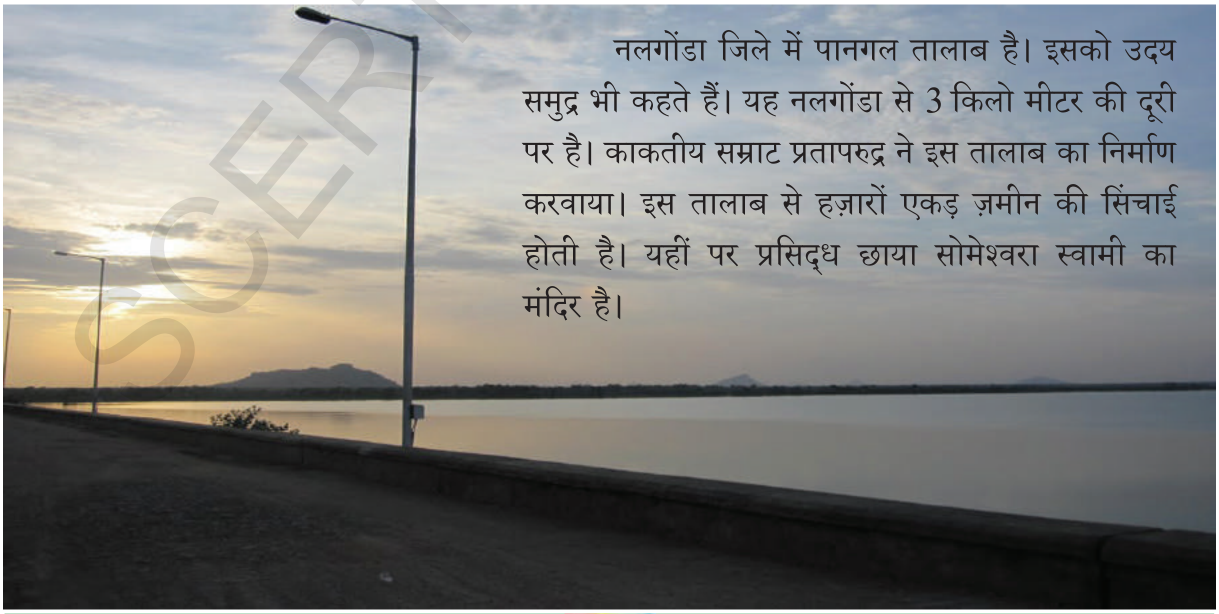

नलगोंडा जिले में पानगल तालाब है। इसको उदय समुद्र भी कहते हैं। यह नलगोंडा से 3 किलो मीटर की दूरी पर है। काकतीय सम्राट प्रतापरुद्र ने इस तालाब का निर्माण करवाया। इस तालाब से हज़ारों एकड़ ज़मीन की सिंचाई होती है। यहीं पर प्रसिद्ध छाया सोमेश्वरा स्वामी का मंदिर है।

SCERT TELANGANA

9.3.3. हुसेन सागर

हैदराबाद का हुसेन नागर राज्य के बड़े तालाबों में एक है। इसको1562 में क़ुतुबशाही शासकों ने बनाया। हुसेन सागर तट पर हैदराबाद, सिंकिंद्रबाद नगरों को मिलाने वाले बाँध को1946 में बड़ी सड़क में बदल दिये। इसी को टैंकबंड कहते हैं। 5.7 व कि.मी विस्तृत यह तालाब अब बहुत छोटा हो गया है। विभिन्न प्रकार के पत्तों से भर गया है। पर्यनटन यात्रियों द्वारा कचरा फेंकने से, नगर का गंदा पानी पहुंचने से, कारखानों का कचरा पहुँचने से, गणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन से हुसेन सागर बहुत ही प्रदूषित हुआ है। 32 गज गहरा यह तालाब बहुत भर गया है। अब इस तालाब की सफ़ाई के प्रयत्न हो रहे हैं।

हैदराबाद में और एक तालाब उस्मान सागर है। इसे मूसी उप नदी पर बनाया गया है। इसी को गंडी पेट का तालाब भी कहा जाता है। यह पीने के पानी का तालाब है। आज भी यह हैदराबाद नगर वासियों के पीने के पानी के लिए उपयोग में लाया जा रहा है।

समूह में चर्चा कीजिए

- तालाब किस लिए हैं?
- क्या आपके जिल में ऐसे तालाब हैं? कहाँ हैं?
- राज्य के और कुछ बड़े तालाबों का विवरण बताइए। तेलंगाना के मानचित्र में दर्शाए।

9.4. तालाब से किसान का लगाव

तालाबों से हमें कई लाभ हैं इसकी जानकारी है ना? नागुल तालाब से जिनका लगाभ है उनमें चेन्नय्या एक है। चेन्नय्या क्या बता रहा है जानेंगे।

मेंरा नाम चेन्नय्या हैं। बचपन से मुझे नागुल तालाब से लगाब है। मेरे पिता ने मुझे तैरना इसी तालाब में सिखाया। हर रविवार के दिन मित्रों के साथ इस तालाब के पास कपड़े धोता था।

दोस्तों से मिलकर तालाब में मछली, केकड़े पकड़ते थे। बड़े बड़े मेंढकों को देखकर भय होता था। साँप भी रहते थे। कभी-कभी कछुए भी मिलते थे। उन्हें लाकर घर के पानी की टंकी में छोड़कर सावधानी से देख-रेख करता था। पानी के ऊपर से उड़ने वाली पक्षियों को देखकर आनंद आता है। मेरा पुत्र उनके अध्यापकों के कहने पर तालाब की मिट्टी से गणेश की प्रतिमाएँ तैयार कर रहा है। मैं ने भी कुछ बनाकर दिया हूँ।

सोंचिए...

तालाब गाँव के जनता की किन जरूरतों के लिए उपयोगी है ?

9.5. तालाब से लाभ

तालब के बाँध के पास का खेत हमारा है। हर रोज तालाब के पास जाकर, फाटक खोलना, नहरों के द्वारा जल खेतों में पहुँचाना मेरे मुख्य कार्य हैं। गांव में प्रत्येक व्यक्ति को नागुल तालाब से संबंध है। हर कोई किसी न किसी तरह तालाब पर आधारित हैं। बहुत सारे लोगों को नागुल तालाब के नीचे खेत हैं। कृषि करने वाले किसानों का आधार नागुल तालाब है। तालाब भरने से कृषकों, कृषक मज़ूदरों को त्यौहार जैसा लगता है। गाँव के सब बच्चे इस तालाब में ही तैरना सीखते हैं। कपड़े धोने वालों के लिए तालाब ही आधार है। तालाब भरने पर मछली पकड़ने वालों की ईद है। अब मछली पालने के लिए छोटी मछलियों को तालाब में छोड़ रहे हैं। अंबड़ा, जूट, शाखीय पौधों को पानी में भिगोकर निकाले धागे से रस्सी गूंथते हैं।

SCERT TELANGANA

तालाब में बोर डालकर गाँव के पानी की गाड़ियों से घर-घर पानी सप्लाई कर रहे हैं। जानवरों, पक्षियों के लिए पानी का आधार अभी भी नागुल तालाब है।

तालाब के भरने पर आस पास के कुँए, बोर, चेक ड्याम में पानी का स्तर बहुत बढ़ जाता है। तालाब में पानी कम होने पर मछली पकड़ते हैं। कुछ किसान, तरबूज, खरबूजफल, ककड़ी उगाते हैं।

गर्मी के काल में तालाब में भरी मिट्टी निकालते हैं। सभी किसान इस मिट्टी को अपने खेतों में फैलाते हैं। तालाब की मिट्टी बहुत उपजाऊ होती हैं इसलिए फसल अच्छी होती है। तालाब में भरी मिट्टी निकालने से पानी ज्यादा रुके रहता है और तालाब भी साफ होता है।

समूह में चर्चा कीजिए

- किसान रस्सियों से क्या क्या करता है?
- तालाब में ही बोर क्यों डालते हैं लिखिए।
- तालाब की मिट्टी से और क्या - क्या बनाते हैं?
- तालाब भरने से आपको खुशी होगी? क्यों?

9.6. तालाब - प्रदूषण

तालाबों से क्या लाभ है आपने जानलिया होगा? निम्न चित्र को देखिए।

SCERT TELANGANA

सोचिए...

- तालाब किस तरह प्रदूषित हो रहा है?
- उसके क्या नुकसान हैं?

तालाब का पानी विभिन्न प्रकार से प्रदूषित हो रहा है। गाँव के ज्यादा लोग तालाब में ही कपड़े धोते हैं। बहुत सारे लोग सुबह में साफ सफाई तालाब के किनारे करते हैं। जानवरों को धोते हैं, भैंसें धोते हुए बच्चे उन पर बैठते हैं, तैरते हैं। आजकल ट्राक्टर, जीप,कार, आटो भी तालाब में धो रहे हैं। हर साल गणेश की प्रतिमाओं का विसर्जन तालाब में हो रहा है। उससे प्रतिमाओं का रंग तालाब के पानी में घुलकर पानी प्रदूषित हो रहा है। मछलियाँ भी मर रही हैं। तालाब के करीब के घरों का गंदा पानी तालाब में पहुँच रहा है। सांयकाल तालाब के बाँध पर विहार के लिए आने वाले बचे खाद्य पदार्थ, खाली प्लास्टिक के कवर तालाब में डाल रहे हैं। इस तरह तालाब प्लास्टिक कवर, गंदे पानी से दिन ब दिन विभिन्न प्रकार से प्रदूषित हो रहा है। रासायनिक दवाईयों के कारखानों से निकलने वाले व्यर्थ एवं हानिकारक पदार्थ से भूगर्व जल, तालाब के पानी को प्रदूषित करते हैं। पहले पीने के पानी के लिए उपयोगी तालाब आज पीने के लिए काम नहीं आ रहा है। **लेकिन अब** तालाब के पानी को प्रदूषण से बचाने के लिए कुछ कार्य किये जा रहे हैं।

पिछले साल तालाब की कुछ दूरी पर एक कारखाने के निर्माण का निर्णय लिया गया था, तब गाँव के सब लोग मिलकर विरोध करने से उसका निर्माण रुक गया। उर्वरक, दवाओं के उद्योग, फैक्टरियों से निकलने वाले व्यर्थ पदार्थ हानिकारक वस्तुएँ भूगर्भीय जल और तालाबों के पानी को दूषित करते हैं।

तालाब को हानि पहुँचाने वाले कार्य आप अपने प्रांत में देखे हैं क्या? वे क्या हैं? उसका विरोध करने के लिए सब मिलकर क्या कुछ प्रयत्न किये है? हमारे पड़ोस के तालाब को देखने पर बहुत दुख होता है। वह हमारे मामाजी का गाँव है। उस तालाब में बचपन में तीरा हूँ। अब वहाँ तालाब नहीं है। सब मकान बन गए हैं। कभी वहाँ तालाब **हुआ करता** था कहने पर किसी को विश्वास नहीं होगा।

समूह में चर्चा कीजिए

- तालाब के पानी को प्रदूषण से बचाने के लिए आप क्या करेंगे?
- कारखाने के निर्माण का गाँव वालों ने क्यों विरोध किया?
- इस तरह तालाब की जगह घर क्यों बना लिये हैं? इसके कारण होने वाले नुकसान क्या है?
- प्राचीन काल में राजाओं ने तालाब खुदवाए। कक्षा में चर्चा कीजिए।

SCERT TELANGANA

9.7. तालाब का सूख जाना

मैं फसल की कटाई के समय रात में तालाब के बाँध पर सोता हूँ। दोपहर के समय तालाब के बाँध पर पेड़ के नीचे बैठकर भोजन करने की आदत सी बन गई है। तालाब के पानी से भर जाने पर बाँध पर स्थित मैसम्मा मंदिर में त्योहार करने के बाद खेतों में पानी भेजा जाता है। इसके लिए गाँव प्रत्येक घर से चावल और पैसे देते हैं। सब लोग बाँध पर भोजन करने के बाद खेतों में पानी छोड़ते हैं।

बतुकम्मा त्योहार के दिनों में भरे तालाब में बतुकम्माएँ छोड़ते हैं। यह देखने में बहुत सुंदर लगता है। सुबह, शाम तालाब के बाँध पर खड़े होकर सूर्योदय, सूर्यास्त देखना मुझे बहुत पसंद है। गर्मी के दिनों में यहाँ हर समय वातावरण ठंडा रहता है। किसान बाँध के पेड़ों के नीचे आराम करते हैं। सायंकाल पक्षियों का झुंड में आकाश में उड़ना, तालाब के बाँध पर से जानवर का झुंड में जाना, रात में खेतों से आने वाली ठंडी हवाएँ, खेतों से आने वाली सुगंध आदि से ग्रामीण जीवन महान दिखाई देता है। तालाब के पानी में कमल खिलते हैं। पानी पर भागने वाले कीड़े, पतंगे उन्हें खाने वाली मछलियाँ, मछलियों का शिकार करने वाले बगुलों से तालाब का कितनी देर देखने पर भी मन नहीं भरता। समय का पता नहीं चलता। ऐसा तालाब कैसा हो गया :-

तालाब का सूखजाना - अकाल

निम्न चित्र का निरीक्षण कीजिए।

समूह में चर्चा कीजिए

- तालाबों में अगर पानी न हो तो क्या होगा?
- तालाबों के सूख जाने पर उस पर आधारित लोगों को क्या-क्या नुकसान होता है?

वातावरण प्रदूषण, पेड़ों क्को काटना, जंगलों को काटने से सस्यश्यामलता घटती जा रही है। सूरज की धूप पेड़ों पर न पड़कर भूमि पर पड़ने से, भू वातावरण गरम हो रहा है। वर्षा हर साल घटती जा रही है। तालाब सूख रहे हैं। कई प्रदेशों में अकाल पड़ रहा है। वर्षा ने होकर तालाब न भरने के कारण, किसान बोर डालकर सैकड़ों मीटर अंदर से भूगर्भ जल बाहर निकाल रहे हैं। मनुष्यों द्वारा किये जाने वाले इस तरह के कामों से पर्यावरण की हानि होकर अकाल जैसी परिस्थिति उत्पन्न हो रही है। अभी भी कई ग्रामों में पीने का पानी सुदुर प्रांतों से ला रहे हैं। सरकार द्वारा टैंकों से पहुँचाये जाने वाले पानी पर आधारित है। ऐसी परिस्थिति क्यों आ रही है? यह एक ज्वलंत समस्या है ना? इसके लिए कौन किस तरह का कार्य करना चाहिए?

सोचिए...

यह परिस्थितियाँ अगर ऐसे ही बनी रहें तो भविष्य में हम किस दुस्थिति का सामना करेंगे अनुमान लगाइए। इसके लिए हमें क्या करना चाहिए?

9.8. तालाब का निर्वाह

चित्र में तालाब देखिए। तालाब में वेल पत्ते फैल गए हैं ना। कई प्रयोजनों वाले तालाब क्यों इस तरह बदल रहे हैं। तालाबों के प्रतिध्यान कौन दे? अगर ध्यान न दें तो क्या होगा? तालाबों के संरक्षण से ही हमको भविष्य है। तालाब के निर्वाह के बारे याखूब क्या कह रहा है, देखिए।

मेरा नाम याखूब है। नागुल तालाब के नीचे हमारे गाँव के खेत हैं। तालाबों के विकास के लिए सरकार सिंचाई जल प्रचालन समितियों की व्यवस्था की है। हमारे गाँव में सब किसान मिलकर मुझे अध्यक्ष चुन लिये हैं। हमारी समिति हर वर्ष फाटकों, (जल द्वारा) चादर, खेतों कीई नहरों की मरम्मत कराती है। ग्रीष्मकाल में तालाब की मिट्टी खेतों में पहुँचाती है। तालाब के बाँध में दरार न पड़ने की सावधानी लेती है। हमारे गाँव का जीवनाधार तालाब है। तालाब सबका है। सबको इससे रोजगार है।

संग्रह कीजिए

अब हमारी राज्यसरकार 'मिशन काकतीय' के नाम से राज्यस्तर पर सूखे तालाबों की मिट्टी निकालकर जल संरक्षण के परिमाण को बढ़ाने को प्रयत्न कर रही है।

SCERT TELANGANA

संग्रह कीजिए

आपके करीब में तालाबों के सिंचाई जल प्रचालन समितियों के विवरण, उसके कार्य आदि संग्रह करके चर्चा कीजिए।

क्या तुम्हें मालूम है?

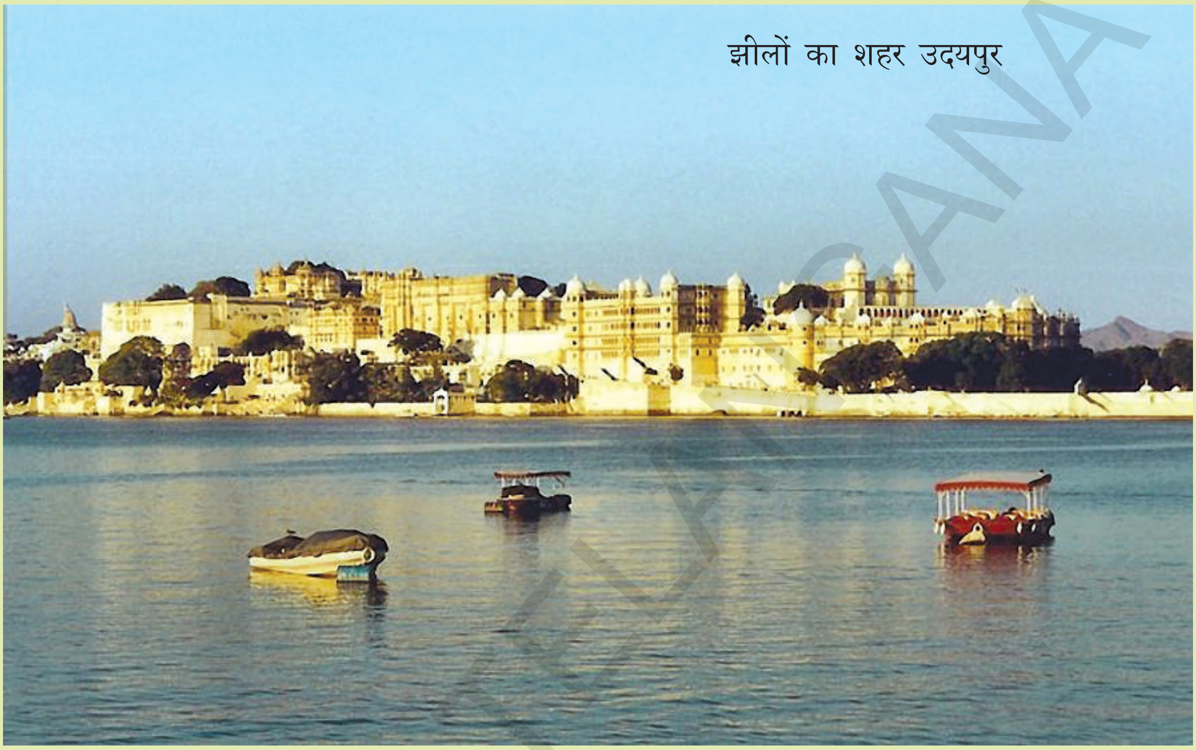

झीलों का शहर उदयपुर

राजस्थान राज्य के उदयपुर शहर को झीलों का शहर (सिटी ऑफ लेक्स) कहते हैं। उदयपुर के चारों तरफ अनेक झीलें रहने के कारण यह नाम पड़ा। पहले जमाने में पीने के पानी के लिए, कृषि के लिए इन्हें बनवाया गया। उदयपुर के सभी झीलों में पिचोला झील प्रमुख है। 1362 में बंजारा लोगों के द्वारा निर्मित इस झील का बाद में महाराज उदयसिंह ने विकसित किया। उदयपुर शहर में सभी राज भवन झीलों के किनारे बनाए गए। उसमें जग निवास, सिटी पैलेस मुख्य हैं।

SCERT TELANGANA

मुख्य शब्द :

1. कृषि	6. प्रवाह जल	11. वेल पत्ते
2. नहर	7. फाटक (जल द्वारा)	12. तालाब प्रदूषण
3. तालाब	8. तालाब का निर्माण	13. तालाब के उपयोग
4. जलाशय	9. तालब का बाँध	14. दरार पड़ना
5. जल उफान	10. कृषि भूमि (कृषि क्षेत्र)	15. तालाब का निर्वाह

हमने क्या सीखा?

1. विषय की समझ

अ) तालाब क्यों चाहिए?

आ) तालाब का पानी किस के लिए उपयोग करते हैं?

इ) सिंचाई समितियाँ क्यों आवश्यक हैं ?

ई) आपके गाँव में होने वाली फसलों में कम पानी से उगने वाली फसलें क्या है?

उ) तुम्हारा मानना है कि फाटक से क्या-क्या लाभ है?

ऊ) तालाब पर कौन-कौन आधारित हैं? मुख्य रूप से किसान किस तरह आधारित है?

ऋ) तालाब की रक्षा हमें किस तरह करना चाहिए।

2. प्रश्न करना-अनुमान लगाना

कविता दादाजी के साथ उनके गाँव में चेक डैम के पास गई। उसने चेकडैम के बारे में दादाजी से बहुत प्रश्न पूछे। आप कौन-कौन से प्रश्न करेंगे।

3. प्रायोगिक कार्य-क्षेत्र निरीक्षण

अ) पास के तालाब के पास जाइए। वहाँ दिखाई देने वाले अंश लिखिए (तालाब में, किनारे पर, तालाब के चारों ओर, तालाब के लाभ आदि।)

आ) अध्यापक की सहायता से आपके गाँव के खेतों में जाइए। तालाब से खेतों में पानी आने वाले मार्ग का निरीक्षण कीजिए। लिखिए।

4. समाचार संकलन - परियोजना कार्य

- आपको जो पता है उस जिले या राज्य के प्रमुख तालाब का नाम लिखिए। उसके इतिहास को जानिए। उसका चित्र उतारें। उस तालाब के विवरण लिखकर प्रदर्शित कीजिए। इसके लिए ताराबों की जानकारी देने वाली पुस्तकें, समाचार पत्र, या इंटरनेट में विवरण संग्रहित कीजिए।

5. मानचित्र कौशल, चित्रांकन, नमूना निर्माण द्वारा भाव विस्तार

अ) रामप्पा, पाकाल, पानगल, हुसैन सागर और अन्य तालाबों के नाम संग्रह कीजिए। ये अपने राज्य में किन-किन जिलों में कहाँ-कहाँ है? तेलंगाना के मानचित्र में दर्शाएँ।

SCERT TELANGANA

6. प्रशंसा, मूल्य, जैव-विविधता संबंधी जागरुकता

अ) तालाब में दरार आई। गाँव वाले सब मिलकर उसकी मरम्मत कर दिए। तुमने वह देखा है। हर एक के श्रम के बारे में अपने मित्रों को कैसे बताओंगे ?

आ) तालाब हमारे लिए ही नहीं, पक्षियों, जंतुओं, अन्य कीड़ो के लिए भी जीवनधार है। ऐसे तालबों को प्रदूषण से बचाने के लिए आप सब जुलूस में भाग लेना चाह रहे हैं। इसके लिए आप प्रदूषण को बताने वाले नारे लिखिए। उसी तरह तालाब प्रदूषित न होने के लिए क्या-क्या कर सकते हैं बताइए।

इ) तालाबों को सुखाकर घर बना रहे हैं। ऐसा करने से जानवरों, मनुष्यों को कैसे हानि होगी? इसके निवारण के लिए हमें क्या करना चाहिए?

क्या मैं यह कर सकता हूँ?

1.	तालाब के लाभ, निर्माण की दशाओं, उसके प्रयोजन का वर्णन कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं
2.	तालाबों के बाँधों के बारे में जानने के लिए प्रश्न पूछ सकता हूँ ।	हाँ / नहीं
3.	प्रसिद्ध तालाबों को मानचित्र में पहचान सकता हूँ।	हाँ / नहीं
4.	तालाब के इतिहास को जानकर बता सकता हूँ।	हाँ/ नहीं
5.	तालाब संरक्षण के लिए नारे लिख सकता हूँ।	हाँ / नहीं

CERT TELANGANA

10 हमारा आहार-हमारा स्वास्थ्य
(Our Food – Our Health)

हमें जीने के लिए भोजन ज़रूरी है। लेकिन क्या हम सब एक ही प्रकार का भोजन लेते हैं? क्या एक ही समय खाते हैं? क्या सबके भोजन करने की विधि एक सी है? सोचिए। हमें आहार जंतुओं व पेड़-पौधों से मिलता है। आहार के संबंध में कुछ और विषय हम इस पाठ में सीखेंगे। निम्न चित्र देखिए और बताइए कि यहाँ क्या हो रहा है?

सोचिए।

- चित्र में कौन क्या कर रहा है?
- ये सब लोग वहाँ क्यों आये होंगे?

10.1. वन में भोजन

नाविद, विपिन, नीलि और दीपि पाँचवीं कक्षा में पढ़ रहे हैं। उनके घर के सभी लोग एक दिन वन्य भोजन के लिए गये। नहर के किनारे सुंदर हरे-भरे वातावरण में उन्होंने पिकनिक मनाने के लिए चुना। वहाँ उन्होंने तरह-तरह के खेल खेले। खाना बनाने के लिए उन्होंने सूखी लकड़ियाँ एकत्र कीं। आग जलाकर लाये गये सामान से बड़े-बच्चे सबने मिलकर खाना पकाया।

दोपहर का भोजन करने के लिए सब मिलकर बैठ गए। बच्चों ने सबके सामने पत्तल रखे। तुरंत तोड़े गये कुछ पत्तों को भी कुछ बच्चे थालियों के रूप में उपयोग में ला रहे हैं। पकाये गये भोजन के साथ वे लोग घर से कुछ खाने की चीज़ें ले आये थे, जैसे-मक्के की रोटियाँ, मूँगफली की मिठाइयाँ, आटे के लड्डू आदि। सबके द्वारा लाये गये खाने की सामग्री सब लोगों में बाँट दी गई। उस दिन वे सभी बहुत खुश थे। उन्होंने सोचा कि यदि हम रोज इसी तरह मिल बाँटकर भोजन करें तो रोज त्योहार जैसा आनंद आयेगा।

समूह में चर्चा कीजिए।

- क्या दूसरों के साथ बैठकर भोजन करना आपको भी अच्छा लगता है? क्यों?
- पिकनिक पर जाना सबको क्यों अच्छा लगता है?
- साधारणत: घर में पकाये गये भोजन और पिकनिक पर पकाये गये भोजन में क्या अंतर होता है?
- दूसरों के साथ बैठकर साधारणत: किन अवसरों पर कहाँ भोजन करते हैं?

10.2. मध्याह्न भोजन

पाठशाला में दोपहर के भोजन की घंटी बजी। सभी बच्चे नल के पास अपने हाथ और प्लेट साबुन से धो रहे हैं। उसके बाद वे भोजन लेने के लिए एक ही पंक्ति में खड़े हो गये। उस दिन भोजन में खाना, दाल और साँबर था। पाठशाला में रोज एक-एक प्रकार पकवान पकाते हैं। आपको तो पता ही होगा। साथ मिल बैठकर खाने से दूसरी कक्षा के बच्चों के साथ मित्रता बढ़ती है। घर से भोजन लाने वाले बच्चे भी एक-दूसरे में अपना खाना बाँट देते हैं। इससे कौन-कौनसे लोग घर में क्या-क्या खाते हैं, पता चलता है। कुछ लोग चटनी के साथ खाते हैं, तो कुछ अँचार से। खाते समय कुछ बच्चे अपने भोजन में से सब्जियों के टुकड़े बाहर फेंकते रहते हैं। वे उन्हें नहीं खाते। ऐसा करना ठीक नहीं है। आपको मालूम है कि ऐसे भी बच्चे हैं जिन्हें घर में खाने के लिए ठीक से भोजन भी नहीं मिलता? कुछ बच्चे बिना खाये पाठशाला आते हैं। भूखे पेट वे पढ़ाई में मन भी नहीं लगा पाते। ऐसे बच्चों के लिए पाठशाला का मध्याह्न भोजन बहुत आवश्यक है।

हमारे देश में अनेक बच्चे ऐसे हैं जिन्हें सही भोजन नहीं मिलता। उनमें से सभी पाठशाला नहीं आते हैं। सही भोजन न खाने वाले स्वस्थ नहीं रह सकते। अस्वस्थ बच्चे पढ़ाई में पूरी तरह ध्यान नहीं देते। इसीलिए प्रत्येक पाठशाला में पुष्टिदायक भोजन की व्यवस्था करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने आदेश दिया। तभी से मध्याह्न भोजन हर सरकारी पाठशाला में मुहैया कराया जा रहा है।

सोचिए..

- आपको मध्याह्न भोजन कौन परोसता है?
- क्या आपकी पाठशाला में सभी लोग मध्यान भोजन खाते हैं या घर से लेकर आकर खाने वाले भी हैं? क्यों?
- आज आपकी पाठशाला के मध्यान भोजन में क्या-क्या बनाया गया है?
- क्या पाठशाला में आपको भरपेट भोजन दिया जाता है?
- आपके अध्यापक भी क्या आपके साथ खाते हैं? नहीं? तो क्यों?
- क्या साग-सब्जियों के टुकड़ों को सभी मन से खाते हैं? या बाहर फेंक देते हैं?क्यों?
- मध्यान भोजन कैसा हो तो आपको अच्छा रहेगा?

संग्रह कीजिए।

पिछले सप्ताह में पाठशाला के मध्याह्न भोजन में क्या-क्या बनाया गया? इन दिनों में क्या-क्या बनाया जाता तो आपके लिए अच्छा रहता? इस तालिका में लिखिए।

SCERT TELANGANA

दिन	पाठशाला के मध्यान भोजन में पकाया गया भोजन	पसंद/नापसंद	आपकी इच्छा वाला भोजन
सोमवार			
मंगलवार			
बुधवार			
गुरुवार			
शुक्रवार			
शनिवार			

- किस दिन का भोजन आपको सबसे अच्छा लगा? क्यों?
- किस दिन का भोजन आपको अच्छा नहीं लगा? क्यों?
- क्या सभी को मध्यान भोजन पसंद आ रहा है?
- आपकी पाठशाला में मध्यान भोजन बच जाने पर उसे क्या करते हैं?

10.3. भोजन की आदतें

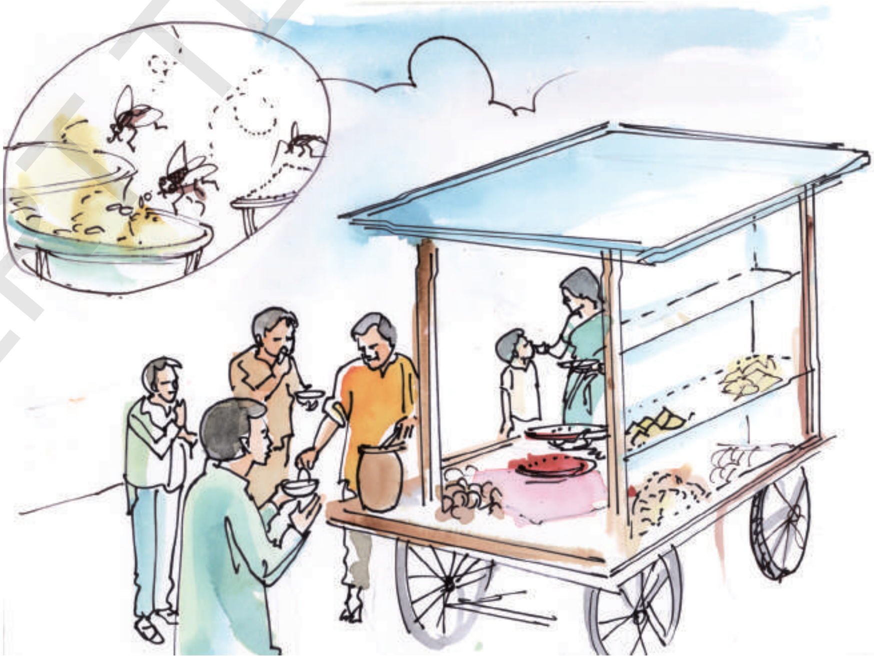

भोजन व्यर्थ करना बहुत गलत बात है। खराब हुए भोजन को खाने से क्या होता है? भोजन क्यों खराब हो जाता है? वह कैसे गंदा हो जाता है? आहार द्वारा ही तो हमें शक्ति मिलती है। हमें भी स्वस्थ रहना है। इसलिए आइए किस प्रकार आहार को अशुद्ध एवं व्यर्थ होने से बचाया जाये जाये।

उपर्युक्त चित्र का निरीक्षण कीजिए। बताइए।

SCERT TELANGANA

सोचिए..

- क्या आपने कभी भोजन सामग्री पर मक्खियों को मँडराते देखा है? मक्खियों की तरह और कौन से कीड़े भोजन पर मँडराते हैं?
- सड़क के किनारे खाने की क्या-क्या चीज़ें बिकती हैं? यदि वे ढँककर न रखी गई हों तो क्या हो सकता है?

सड़क के किनारे बिकने वाली भोजन सामाग्री ढँकी नहीं होती। उनके ऊपर धूल, मिट्टी आदि लगी होती है। मक्खियाँ गंदी जगह पर बैठती हैं। वहाँ से गंदगी व उनमें रहने वाले सूक्ष्म कीटाणुओं को लाकर भोजन सामग्री पर छोड़ती हैं। इनसे हमारा भोजन दूषित हो जाता है। यह हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। कुछ होटलों व ठेलों वाले प्रयोग किये गये तेल को बार-बार उपयोग में लाते हैं। इस प्रकार प्रयोग किये गये तेल को फिर से खाने के लिए प्रयोग में लाना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इस तरह के पदार्थ नहीं खाने चाहिए। तुरंत बने भोजन **या** ताजा खाना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। जहाँ तक हो सके घर में तैयार किया गया भोजन ही खाना चाहिए।

स्वच्छ भोजन ही करना चाहिए। स्वच्छ आहार को भी यदि हम मैले हाथ से खायें तो हानिकारक ही है। पोषक व स्वच्छ आहार की आदत बहुत ज़रूरी है। अब बताइए कि आप की खाने की आदत कैसी है? निम्न को पढ़िए। अपनी आदत के अनुसार ‘ ✓ ’ का निशान लगाइए।

क्या आप इनका पालन करते हैं?

- क्या आप ताजा आहार खाते हैं?
- क्या आप खाने से पहले हाथ साबुन से अच्छी तरह धोते हैं?
- आप खाने वाली थाली को साफ धोकर रखते हैं और खाते हैं?
- क्या आप पकाये गये भोजन को ढँककर रखते हैं?
- क्या आप बाहर बिकने व मिलनेवाली आहार सामग्री न खाकर, घर का भोजन ही खाते हैं?
- क्या आप फल, सब्जियाँ, साग आदि उनके मौसम के अनुसार ताजे रूप में खाते हैं?
- क्या आप व्यर्थ भोजन जहाँ-तहाँ न फेंककर उसके लिए रखे गये बर्तन में फेंकते हैं?
- क्या आप मलमूत्र विसर्जन करने के बाद अपने हाथ साबुन से अच्छी प्रकार धोते हैं?
- क्या आप सुबह और रात को सोते समय दाँत साफ करते हैं? क्या आप मसूड़ों को उँगलियों से रगड़कर साफ करते हैं?
- क्या आप दाँत साफ करते समय जीभ भी साफ करते हैं?
- क्या आप खाने से पहले और खाने के बाद पानी से कुल्ला करते हैं?

SCERT TELANGANA

ऊपर की जानकारी के अनुसार अच्छे भोजन खाने की आदत का होना आवश्यक है। यदि आप ऊर के नियमों में से किन्हीं का पालन नहीं कर रहे हैं, तो अब उनका पालन आरंभ कर दीजिए।

इस प्रकार कीजिए।

- एक रोटी या ब्रेड के टुकड़े को लेकर उसपर पानी छिड़क कर तीन-चार दिनों तक उसे बंद करके रख दीजिए। उसके बाद आने वाले परिवर्तन का निरीक्षण कीजिए।

समूह में चर्चा कीजिए।

- रोटी/ब्रेड पर क्या दाग बन आये हैं? वे किस रंग के हैं?
- उसके गंध में क्या परिवर्तन आया है? क्या इसे खाया जा सकता है?
- इस तरह की रोटी खाना क्यों ठीक नहीं है?
- नमी वाले घर, सड़ती हुई सब्जियाँ, कच्चे नारियल आदि में क्या आपने जाले लगना या भूरे लगना देखा है? ये जाले क्यों लगते हैं? सोचिए।

इस प्रकार कीजिए।

- रोज पकाये जानी वाली भोजन सामग्री तथा कुछ बिना पकाई भोजन सामग्री, कुछ बर्तनों में रखिए। दो दिन बाद इनका निरीक्षण कीजिए। उनके रंग, गंध आदि में परिवर्तन समझिए।

समूह में चर्चा कीजिए।

- भोजन में क्या परिवर्तन आये?
- दाल, सब्जियाँ, साँबर आदि में क्या बदलाव आये?
- नमी वाले भोजन में यह परिवर्तन क्यों आया होगा?
- दूध, दही में क्या परिवर्तन आये?
- पकाये गये भोजन तथा फल में क्या परिवर्तन आये?
- पकाई गई या पकाई जानेवाली सामग्री में जल्दी क्या खराब होता है? क्यों? सोचिए।

SCERT TELANGANA

भोजन सामग्री को भिगाकर छोड़ देने पर उसमें अनेक सूक्ष्म जीव पनपकर उसे खराब कर देते हैं। हानिकारक सूक्ष्मजीव आहार पदार्थों को विषमय बना देते हैं। इस प्रकार भोजन खाने से हम बीमार हो सकते हैं। हानिकारक जीवाणुओं से बचाते हुए, धूल आदि कणों से सुरक्षित रखते हुए यदि हम भोजन करें तो वह स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है। इसीलिए भोजन कभी भी ताजा ही खा लेना चाहिए। आवश्यकता से अधिक भोजन पकाकर या खरीदकर उसे व्यर्थ करना ठीक नहीं है।

10.4. भोजन सामग्री संग्रहण

क्या सभी आहार पदार्थ हमें साल भर मिलते हैं? साल भर मिलने वाले आहार पदार्थ कौन-कौन से हैं? ये पदार्थ साल भर कैसे जमा रहते हैं?

अँचार/चटनी, ज़ाम, आदि कई दिनों तक बिना खराब हुए रहते हैं। सब्जियाँ, मांस, मछलियाँ आदि जल्दी खराब हो जाती हैं। इन्हें भी नमक में मिलाकर सुखाकर आवश्यकता पड़ने पर उपयोग में लाया जाता है। इन्हें ही 'ओरुगुलु' कहा जाता है। वैसे अँचार आदि का सेवन स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है।

संग्रह कीजिए।

- पापड़, नमकीन आदि बहुत दिनों तक सहेज कर रखे जाते हैं। इन्हें कैसे तैयार किया जाता है?
- आपके घर में अंचार कैसे तैयार करते हैं?
- आपके घर में सहज कर रखे जाने वाले आहार पदार्थों की सूची बनाइए।
- सब्जियाँ, फल आदि दो-तीन दिनों तक ताजा रखने के लिए क्या किया जा सकता है? अपने-माता पिता से पूछकर लिखिए।

इस प्रकार कीजिए।

- कुछ साग-सब्जियों, फल आदि को सूती कपड़े में ढंक कर रखिए। उसपर दिन में दो-तीन बार जल छिड़किए। इस प्रकार उन्हें कितने दिनों तक ताजा रखा जा सकता है? निरीक्षण कीजिए।

10.5. जनता फ्रिज बनाना

दो भिन्न आकार वाले मिट्टी या सीमेंट के बरतन लीजिए। उन्हें एक के ऊपर एक व्यवस्थित कीजिए। ध्यान रहे कि उनमें दो या तीन सेंटी मीटर की दूरी हो। अब बड़े बरतन में दो-तीन सेंटीमीटर तक रेत की परत बनाइए। अब छोटे बरतन को उस रेत पर व्यवस्थित कर दीजिए। खाली स्थान रेत से भर दीजिए। उसे पानी से नम कर दीजिए। अब छोटे बरतन में फल, साग-सब्जियाँ अधिक दिनों तक ताजा रखी जा सकती हैं।

SCERT TELANGANA

ऊपर गीला कपड़ा ढंक दे और दिन में तीन चार बार पानी का छिड़काव करते रहें। तब सब्ज़ियाँ, फल ताज़ा रहेंगी। इसी को जनता फ्रिज कहते हैं। अर्थात इसका अर्थ है गरीबों का फ्रिज।

जनता फ्रिज

उपर्युक्त चित्र देखिए।

विद्युत फ्रिज

समूह में चर्चा कीजिए।

- जनता फ्रिज में साग-सब्जियाँ क्यों ताजा रहती हैं?
- जनता फ्रिज में सब्जियों के अलावा और क्या-क्या ताजा रखा जा सकता है?
- कौन सा फ्रिज प्राकृतिक है? (जनता या विद्युत)
- घर में विद्युत फ्रिज के प्रयोग में क्या-क्या समस्याएँ ?
- जनता फ्रिज और विद्युत फ्रिज में कौन सा सस्ता है?
- कौनसा फ्रिज जनता को सुलभ रूप से प्राप्त हो सकता है? (जनता या विद्युत)

आहार पदार्थों को साधारणतया कई प्रकार से सहेज कर रखा जा सकता है। इसके लिए हम शीतल क्षेत्र या विद्युत फ्रिज का उपयोग तो करते ही हैं। फ्रिज अधिक खर्चीला है। इसमें बिजली भी खर्च होती है। फ्रिज के उपयोग के समय बिजली बचाने के लिए सावधानी बरतने की ज़रूरत है। हमें फ्रिज को चित्र में दिखाये जैसा खुला नहीं रखना चाहिए। हमें इसका दरवाज़ा तुरंत बंद कर देना चाहिए।

SCERT TELANGANA

फ्रिज खरीदते समय उसपर '5 स्टार पावर सेविंग' चिह्न देखकर खरीदना उचित है। इस चिह्न वाली फ्रिज में विद्युत की खपत कम होती है।

10.6. भोजन व्यर्थ करना

इस चित्र को देखिए। इसमें व्यर्थ में छोड़ा गया भोजन दिखाया गया है। इस तरह के दृश्य हम दावतों में देखते ही रहते हैं। निम्न प्रश्न पढ़कर उनपर अपने मित्रों से चर्चा कीजिए।

समूह में चर्चा कीजिए।

- दावतों में कौन-कौन से पकवान पकाये जाते हैं?
- क्या दावतों में भोजन व्यर्थ होता है? ऐसा क्यों होता है? इससे क्या हानि है?
- दावतों में खाने के लिए किस प्रकार की प्लास्टिक सामग्री प्रयोग में लाई जाती हैं?
- भोजन व्यर्थ न हो, इसके लिए क्या करना चाहिए?
- प्राचीन काल में लोग केले व कमल के पत्तों पर खाते थे। आजकल उनका प्रयोग क्यों कम हो गया है?
- भोजन फेंकने, प्लास्टिक थालियों व ग्लासों के प्रयोग से क्या हानि है?

SCERT

सामान्यतः विवाह आदि के अवसर पर मिलजुलकर भोजन करने की प्रथा है। ऐसे अवसरों पर लोगों में मेलजोल बढ़ता है। उस दिन सभी लोग मिलते हैं। अनेक विषयों पर बातें चर्चा होती है। सुख दुख बाँट लिया जाता है। परस्पर संबन्ध दृढ़ होते हैं।

विवाह आदि अवसरों पर विशेष पकवान होते हैं। आवश्यकता से अधिक लेते हैं, उन्हें नहीं खा पाते और बचा हुआ फ़ेंक देते हैं। ऐसे संदर्भों में ऐसा बहुत होता है। धोने और पीने का पानी भी बहुत वर्य्थ होता है। पिकनिक, फ़ंक्शनों में प्लास्टिक के बरतन और ग्लासों का उपयोग होता है। इन के उपयोग से कम मात्रा में ही सही थोडा प्लास्टिक हमारे पेट में जाता है। यह शरीर के लिए हानिकारक है। प्लास्टिक को मिट्टी में मिलजाने के लिए लाखों वर्ष का समय लगता है। भूमि प्रदूषण बढ़ता है। धरती को तर रखने वाली किटाणु के लिए ये रुकावट बनते हैं। बरतन, ग्लास आदि को जलाने से निकलने वाली रसायन से वातावरण प्रदूषण बढ़ता है।

सोचिए...

- प्लास्टिक बरतन, ग्लास के स्थान पर किनका उपयोग करना श्रेष्ट होगा?
- सामूहिक भोजन के समय भोजन सामग्री,पानी को व्यर्थ होने से बचाने के लिए क्या उपाय हैं?

बरगद, महुआ, पलास के पत्तों से पत्तल बनाये जाते हैं। इसमें भोजन खाने की प्राचीन प्रथा है। पत्तल जल्दी से मिट्टी में मिलजाते हैं। ये पर्यावरण की रक्षा करते हैं पर प्लास्टिक के बरतन हमारे स्वास्थ के लिए हानिकारक हैं। वे पर्यावरण में प्रदूषण बढ़ाते हैं।

सोचिए...

- क्या आपने कभी पत्तल देखा है? कहाँ?
- वे किस से वनाये जाते हैं?

10.7. घरों में भोजन सामग्री का व्यर्थ होना

आप ने जान लिया है कि दावत, मध्यान भोजन में भोजन सामग्री को कैसे व्यर्थ किया जाता है। क्या घरों में भी भोजन सामग्री व्यर्थ होती है ?

आवश्यकता से अधिक पका कर बचाहुआ फ़ेंक देने से भोजन सामग्री व्यर्थ होती है। कुछ लोग खाते समय अपने आस पास गिरा देने से भी भोजन सामग्री व्यर्थ होती है।

चावल, दाल, फल्ली, चना, आदि में कीटाणु आते हैं। सहेजे गए अनाज को चूहे और विभिन्न कीटाणु खराब करते हैं। चावल, दाल के थैलों व डिब्बों में नीम का पत्ता डालकर रखने से कुछ हदतक कीटाणुओं का निवारण किया जा सकता है। चीनी, गुड़ जैसी मीठी चीज़ों को चींटियाँ लग जाती हैं।

कीटाणु द्वारा खराब अनाज, खराब भोजन सामग्री फ़ेंकते समय क्या आपको खेद होता है? क्यों?

जानते हो कि भोजन सामग्री कहाँ से उपलब्ध होती है?

समूह में चर्चा कीजिए

- हम चावल, दाल, अन्य किराणा सामग्री कहाँ से लाते हैं?
- सब्जी, फल कहाँ से खरीदते हैं? इन्हें कौन उपजाते हैं?
- मार्केट में सब्जी, फल और अनाज के दाने कहाँ से आते हैं?
- इन्हें उपजाने में किन-किन का श्रम छिपा हैं?

SCERT TELANGANA

निम्न चित्र देखिए। हमारा भोजन अनाज से मिलता है। चित्र देखकर बताइए कि इसके पीछे कितना श्रम छिपा है।

कृषि संसाधन तैयार करलेना

फ़सल को पानी देना

उगे हुये अनाज को लाना

अनाज बाज़ार में बेचना

अनाज दूकान से खरीदना

अनेक लोगों के श्रम से बना भोजन खाना

जो भोजन हम खाते हैं वह हम तक बड़ी मेहनत से पहुँचता है। इसमें किसान, मजदूर, लोहार, व्यापारी अनेक लोगों की मेहनत लगी होती है। अनेक लोगों के श्रम द्वारा फल, सब्जियाँ, अनाज आदि आहार सामग्री हमारे घरों तक पहुँचती है। किसान इसकी बोवाई, देखभाल, कटाई आदि करने के बाद पैदावार बाज़ार में भेजते हैं। बाज़ारों व दुकानों से होते हुए यह सामग्री हमारे घरों तक पहुँचती है। उनकी यह मेहनत बेकार न जाये इसलिए हमें ध्यान रखना चाहिए कि भोजन व्यर्थ न किया जाये। हमें यह आहार सामग्री सहेज कर रखते समय उन्हें कीड़े, चूहों आदि से बचाने का उचित प्रबंध कर लेना चाहिए। अधिक भोजन पकाना और उसे फेंकने से हमें बचना चाहिए।

मुख्य शब्द:

1. सामूहिक भोजन
2. व्यर्थ
3. कीटाणु
4. सूक्ष्म जीव
5. श्रमिक
6. कृषक
7. कृषि मज़दूर
8. कृषि संसाधन
9. किसान
10. अनाज के दाने
11. श्रम
12. पर्यावरण

हमने क्या सीखा?

1. विषय की समझ

अ) बताइए कि सामूहिक भोजन कब और क्यों खाते हैं?

आ) प्लास्टिक के बरतन, ग्लास का उपयोग क्यों नहीं करना चाहिए?

इ) अच्छी स्वास्थ्य की आदतें क्या हैं? बताइए।

ई) आप में अच्छी स्वास्थ्य की आदतें कौनसी हैं? लिखिए।

उ) भोजन किस समय व्यर्थ होता है?

ऊ) भोजन क्यों नहीं व्यर्थ करना चाहिए?

ऋ) खाद्य पदार्थों को किस तरह सहेजकर रखते हैं? हमारे भोजन के पीछे किन-किन का श्रम है?

2. प्रश्न करना - परिकल्पना करना

अ) पाठशालाओं में मध्याह्न भोजन दिया जा रहा है। कविता चाहती हैं की ये भोजन और भी अच्छा हो। इस पर प्रधानाध्यापक से कुछ प्रश्न पूछिए। यदि आप हो तो कौनसे प्रश्न पूछेंगे।

आ) भोजन सामग्री खराब होने के क्या कारण हो सकते हैं? इसे सुरक्षित रखने के लिए क्या करना चाहिए?

SCERT TELANGANA

3. प्रायोगिक कार्य - क्षेत्र निरीक्षण

अ) पत्तल की तैयारी को क्रमानुसार लिखिए।

आ) कुछ सब्जियों को गीले कपड़े से बाँधकर, कुछ बाहर, कुछ जनता फ्रिज में रखिए। तीन दिन बाद देखिए। अपना निरीक्षण का विवरण दीजिए। इन में कौनसी सब्जी ताज़ी होती है।

4. समाचार संकलन - परियोजना कार्य

अ) किसी दावत में जाकर वहाँ भोजन सामग्री किस प्रकार व्यर्थ हो रही है लिखिए। ऐसा न हो इसके लिए किन नियमों का पालन किया जा सकता है एक सूची बनाइए।

5. मानचित्र कौशल, चित्रांकन, नमूना निर्माण द्वारा भाव विस्तार

अ) मिट्टी के पात्रों से जनता फ्रिज बनाकर कक्षा में प्रदर्शित कीजिए।

आ) पत्तों को एकत्र करके पत्तल बना कर पाठशाला लाइए। प्रदर्शित कीजिए।

इ) जनता फ्रिज का चित्र बनाइए।

6. प्रशंसा, मूल्य, जैव विविधता संबधी जागरूकता

अ) हमारे भोजन के पीछे अनेक लोगों का श्रम छिपा है। उनकी प्रशंसा करते हुए लिखिए।

आ) सामूहिक भोजन, वन भोजन क्यों किया जाता है? इस पर अपने अनुभव लिखिए।

इ) अपने घर भोजन सामग्री खराब व व्यर्थ होने से बचाने के लिए आप क्या करते हो?

ई) प्रति दिन आप किन स्वस्थ्य के नियमों का पालन करते हो? लिखिए।

क्या मैं यह कर सकता हूँ?

1. भोजन व्यर्थ न करना व अच्छे भोजन की आदतों के बारे में विवरण दे सकता हूँ। हाँ / ना
2. मध्याह्न भोजन के प्रति प्रधानाध्यापक से प्रश्न पूछ सकता हूँ। हाँ / ना
3. सब्जी सहेज कर रखने का प्रयोग कर सकता हूँ। हाँ / ना
4. अपने भोजन की पीछे कितने लोगों का श्रम है, हमारे राज्य में उपजाने वाली फ़सलों की तालिका बता सकता हूँ। हाँ / ना

SCERT TELANGANA

11 गाँव से दिल्ली तक
(From Village to Delhi)

रविप्रकाश बहुत खुश हो रहा है। उसके द्वारा चित्रित 'बैलगाड़ी पर जाते हुए ग्रामीण' चित्र को इनाम आया। बाल दिवस के दिन दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम में इनाम लेने अपने मामा वेणुगोपाल के साथ वह दिल्ली जा रहा है। नवंबर १० तारीख के दिन अपने गांव तांडूर से दिल्ली जाने के लिए तैयार हुआ।

11.1. बस में यात्रा

रविप्रकाश पहली बार हैदराबाद जा रहा है। हैदराबाद जाने वाली बस एक बस स्टैंड में है। रविप्रकाश ने पूछा 'इस बस में चलेंगे मामा जी?' वेणुगोपाल ने कहा कि ये साधारण बस है। इसको 'पल्ले वेलुगु' बस भी कहते हैं। एक्सप्रेस बस में जायेंगे। रविप्रकाश ने पूछा, 'इस बस में क्यों नहीं? एक्सप्रेस बस में जाने के लिए वेणुगोपाल ने क्यों कहा?

समूह में चर्चा कीजिए-

- साधारण बस और एक्सप्रेस बस के बीच अंतर लिखिए।
- बसें और किस-किस प्रकार की होती हैं? मालूम करके लिखिए।
- बस टिकट पर क्या-क्या विवरण होते हैं?

क्या तुम्हें पता है?

बसों में अब मशीन द्वारा टिकट दे रहे हैं। इन्हें 'टिम्स' (टिकट इश्यूइंग मेशीन सिस्टम) कहते हैं। टिकट फाड़कर, पंच करके देने की कठिनाई इसमें नहीं है।

SCERT TELANGANA

11.1.1. छुट्टे पैसों की समस्या-

एक स्टेशन पर बस रुकी। बहुत सारे लोग बस से उतरे। कुछ लोग बस में चढ़े, कोट पहने, टाई बांधे हुए एक व्यक्ति ने टिकट के लिए पाँच सौ रुपये का नोट कंडक्टर को दिया। कंडक्टर ने कहा कि छुट्टा चाहिए। उसने कहा कि छुट्टा नहीं है। छुट्टे के लिए बस में लिखे गए वाक्य रविप्रकाश ने पढ़ा। वह वाक्य क्या हैं, आप भी पढ़िए-

टिकट के समान छुट्टा देकर कंडक्टर की सहायता करें

सोचिए...

- टिकट के लिए उपयुक्त छुट्टा क्यों ले जाना चाहिए?
- बस में और कौनसी सूचनाएँ लिखी रहती हैं? देखकर अपनी पुस्तिका में लिखिए।

क्या तुम्हें मालूम है?

हमारे राज्य में 'तेलंगाना राज्य मार्ग परिवहन संगठन' बसें चलाती है। पल्ले वेलुगु, एक्सप्रेस, डीलक्स, लग्जरी, सूपर लग्जरी, गरुड़, इंद्र, जैसे कई प्रकार की बसें चला रहे हैं। बसों में यात्रा करने के लिए पहले टिकट प्राप्त करने आरक्षण सुविधा भी उपलब्ध है। ऑन लाइन बुकिंग सुविधा भी है। वनिता कार्ड, क्याट कार्ड धारकों को यात्रा दर में दस प्रतिशत छूट मिलती है। दिव्यांग लोगों को भी रियायत की सुविधा है।

बस जा रही है। बस के जाते समय खिड़की से देखने पर विचित्र सा लगा। ऐसा लगा कि सीटें भी भाग रही हैं। बाद में बस स्टॉप पर दो व्यक्ति आए और सबके पास के टिकटों की जांच की।

सोचिए...

- आप यात्रा करते समय क्या कभी जाँच हुई?
- बिना टिकट के यात्रा करने पर क्या करते हैं?
- बस में जाते समय और क्या-क्या नहीं करना चाहिए, बताइए?

क्या तुम्हें मालूम है?

बिना टिकट के यात्रा करना अपराध है। उसके लिए पाँच सौ रुपये तक जुर्माना या छह महीने की जेल की सजा या दोनों सजाएँ हो सकती हैं।

SCERT TELANGANA

बस में सबके पास टिकट है या नहीं जांच करके वो उतर गए। बस फिर से चलने लगी। मैंने खिड़की से हाथ बाहर रखा। इतने में कंडक्टर ने यह देखकर कहा कि हाथ बाहर मत रखो।

11.1.2. ट्राफिक सिग्नल

हैदराबाद बस स्टेशन में बस रुकी। रविप्रकाश वेणुगोपाल दोनों आटो में सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के लिए रवाना हुए। रास्ते में लाल बत्ती दिखाई देने पर आटो का रुकना, आॅरेंज बत्ती दिखाई देने पर आटो चालू करना, हरी बत्ती के दिखाई देने पर आटो का आगे चलना रविप्रकाश ने इन बातों पर ध्यान दिया।

आटो के रुकने पर रास्ते पर खींचे गए सफेद पट्टियों पर से आदमियों का एक ओर से दूसरी ओर जाना, सफेद पोषाक पहना हुआ पुलिस सबको सहायता करता हुआ दिखाई दिया। इन सफेद पट्टियों को 'जीब्रा क्रॉसिंग' कहते हैं। कुछ स्थानों पर स्पीड ब्रेक के कारण आटो धीमी गति से गया।

समूहों में चर्चा कीजिए-

- ट्राफिक सिग्नल न हों तो क्या होगा?
- गांवों में ट्राफिक सिग्नल क्यों नहीं रहते?
- ट्राफिक क्यों रुक जाती है?
- सड़क पर चलते समय किन नियमों का पालन करना चाहिए?

सोंचिए...

चित्र देखिए। क्या इस तरह यात्रा कर सकते हैं? क्या होगा?

सोचिए। किन नियमों का पालन करना चाहिए।

वाहन चलाते समय नियमपालन

- सेल फोन में बातचीत करते हुए वाहन नहीं चलाना चाहिए।
- दो पहिया गाड़ी चलाते समय हेलमेट जरूर धारण करें।
- मोटरकार जेसे वाहन चालक सामने की सीट पर बैठने वाले जरूर सीट बेल्ट बांध लें।
- इयरफोन में गाने सुनते हुए वाहन नहीं चलाना चाहिए।
- सीमित संख्या में ज्यादा लोग वाहन में यात्रा नहीं करना चाहिए।
- सामने वाली वाहन की सूचना के बिना पार नहीं करना चाहिए।
- पीछे आने वाले वाहनों को सूचना दिए बिना दाएँ-बाएँ नहीं जाना चाहिए।
- सड़क नियमों का पालन करें। सिग्नल के आधार पर यात्रा करें।
- सीमित रफ्तार में जाने पर वाहन नियंत्रण में रहता है। दुर्घटनाओं से बच सकते हैं।

सोचिए...

नगरों में सिग्नल न हों तो चौराहों पर परिस्थिति कैसी रहेगी? सोचकर लिखिए।

वाहनों से जाने वाले सड़क पर पैदल जाने वाले सभी सड़क नियमों का पालन करना चाहिए। उसके द्वारा दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। पाठशाला जाने वाले बच्चे, छोटे बच्चे सड़क पार करते समय बड़ों का हाथ पकड़कर पार करना चाहिए। सड़क पर वाहनों के आते समय जहाँ-तहाँ से पार नहीं करना चाहिए। 'जिब्रा कॉसिंग' की पट्टियों के पास ही पार करना चाहिए। आवश्यक हो तो ट्राफिक पुलिस की सहायता लेनी चाहिए।

11.3. रेल में यात्रा

दिल्ली जाने के लिए सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पहुंच गए। रविप्रकाश पहली बार रेल यात्रा कर रहा है। इसलिए वह रेलवे स्टेशन के परिसर को जिज्ञासा से देख रहा है। उनके रेलवे स्टेशन पहुंचने के आधे घंटे बाद दिल्ली जाने वाली रेल प्लेटफॉर्म पर आ रही है, वाली सूचना सुनाई दी।

रेल प्लेटफार्म पर आते ही डिब्बे को देखकर हमारी सीट के पास पहुंच गए। मुझसे बड़ी आयु के दो लड़के एक लड़की हमारी सीट के सामने वाली सीट पर बैठे हैं।

कुछ देर बाद रेल रवाना हुई। काला कोट पहना हुआ एक व्यक्ति इनके बैठे हुए स्थान पर आया। रविप्रकाश सामने बैठे हुए लोग उसको टिकट बातते हुए देखकर उस व्यक्ति को टिकट निरीक्षक के रूप में पहचान लिया। उसी को टिकट कलेक्टर (टी.सी.) कहते हैं।

वेणुगोपाल ने उसको टिकट दिखाया। रविप्रकाश को संदेह हुआ कि बस टिकट लेते हुए देखा है। लेकिन रेल टिकट कब लिया है। इसी बात को मामा जी से पूछा। वेणुगोपाल पहले टिकट कैसे प्राप्त कर सकते हैं विधि बताते हुए टिकट बताया।

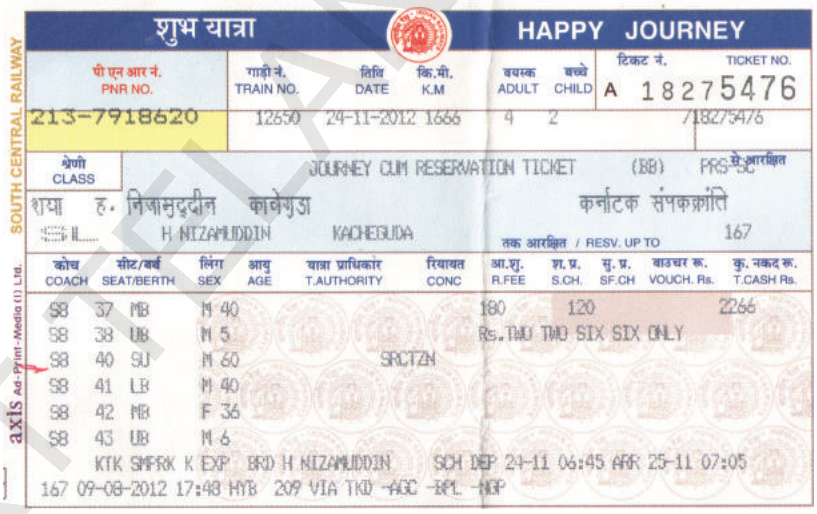

शुभ यात्रा HAPPY JOURNEY
SOUTH CENTRAL RAILWAY

पी एन आर नं. PNR NO.	गाड़ी नं. TRAIN NO.	तिथि DATE	कि.मी. K.M	वयस्क ADULT	बच्चे CHILD	टिकट नं. TICKET NO.
213-7918620	12650	24-11-2012	1666	4	2	A 18275476

श्रेणी CLASS: शया SL — JOURNEY CUM RESERVATION TICKET (BB) PRS से आरक्षित
ह. निज़ामुद्दीन H NIZAMUDDIN — काचेगुडा KACHEGUDA — कर्नाटक संपर्कक्रांति
तक आरक्षित / RESV. UP TO 167

कोच COACH	सीट/बर्थ SEAT/BERTH	लिंग SEX	आयु AGE	यात्रा प्राधिकार T.AUTHORITY	रियायत CONC	आ.शु. R.FEE	श.प्र. S.CH.	सु.प्र. SF.CH	वाउचर रु. VOUCH. Rs.	कु. नकद रु. T.CASH Rs.
S8	37 MB	M	40			180		120		2266
S8	38 UB	M	5							
S8	40 SU	M	60		SRCTZN					
S8	41 LB	M	40							
S8	42 MB	F	36							
S8	43 UB	M	6							

Rs.TWO TWO SIX SIX ONLY
KTK SMPRK K EXP BRD H NIZAMUDDIN SCH DEP 24-11 06:45 ARR 25-11 07:05
167 09-08-2012 17:48 HYB 209 VIA TKD -AGC -BPL -NGP

समूह में चचा कीजिए-

- रेल टिकट, बस टिकट में क्या भेद है।

अपने देश में सभी राज्यों को मिलाते हुए रेल मार्ग हैं। अपने राज्य से जाने वाली रेलों का निर्वाह दक्षिण मध्य रेलवे संस्था देखती है। जिस तरह हमारे नाम है, उसी तरह हर एक रेल का एक नाम होता है। तेलंगाना एक्सप्रेस, काकतीय एक्सप्रेस, सिंगरेणी एक्सप्रेस, बेंगलूर एक्सप्रेस, इंटरसिटि एक्सप्रेस, राजधानी, तुंगभद्रा एक्सप्रेस। इस तरह नाम होते हैं। पहले सीट पाने के लिए कंप्यूटर के द्वारा ऑनलाइन पद्धति से टिकट देते हैं। तत्काल द्वारा भी उसी समय टिकट देते हैं। वृद्धों, दिव्यांगों के लिए रियायती सुविधा है।

SCERT TELANGANA

11.3.1. विविध प्रकार की वेशभूषा-भाषाएँ

रविप्रकाश ने रेल डिब्बे में बैठे लोगों को ध्यान से देखा। वे सब विभिन्न प्रकार के कपड़े पहने हुए हैं। कुछ प्रकार के कपड़ों को उसने कभी नहीं देखा। विभिन्न भाषाओं में वार्तालाप कर रहे हैं। बस में जितने लोग दिखाई दिए हैं, उनसे कहीं ज्यादा अनेक प्रकार के आदमी, विभिन्न वेषभूषा में विभिन्न भाषाओं में बात करने वाले दिखाई दिए।

रविप्रकाश हर स्टेशन में विभिन्न भाषाओं में सूचनाएं सुना। रेल रुकने वाले हर स्टेशन में विभिन्न भाषाओं में उस प्राँत का नाम देखा। रेल में भी विभिन्न भाषाओं में लिखा हुआ उसने देखा।

सोचिए...

रेलवे स्टेशन में किन -किन भाषाओं में घोषणाएं होती हैं? क्यों?

रेल में सूचनाएं विभिन्न भाषाओं में क्यों लिखते हैं? बताइए।

11.3.2. रेल में भोजन

महाराष्ट्र के नागपूर स्टेशन पार करने के बाद भोजन आया। रविप्रकाश को समझ में नहीं आया की रेल में भोजन कहाँ से आया। वेणुगोपाल ने बताये की रेल के किसी एक डिब्बे में भोजन बनाया जाता है और लोगों की माँग पर यात्रियों से पहले ही पैसे लेकर भोजन दिया जाता है। रविप्रकाश को वह भोजन पसंद नहीं आया।

भोजन के बाद अपने हाथ धोने के लिए वॉश बेसिन के पास पहुँचा। वह सोचा कि रेल में अनेक सुविधाएँ होती है।

भोजन रुचिकर न होने के कारण रवि ने फल, समोसे और मूँगफली, खरीदा। वह देहा की प्लैटफार्म पर विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ भेजे जा रहे थे। खाने के बाद व्यर्थ पदार्थ रेल्वे के कुड़ेदान में डाल दिया।

समूहों में चर्चा कीजिए-

- रविप्रकाश को खाने की वस्तुएं क्यों पसंद नहीं आई?
- रविप्रकाश के प्रांत के लोग खाने वाले खाद्य पदार्थ न होकर दूसरे पदार्थ क्यों हैं?
- आप ने यात्रा करते समय क्या-क्या खाया?
- यात्रा में आप खाद्य पदार्थ साथ ले जाते हैं? क्यों?

SCERT TELANGANA

रेल विभिन्न राज्यों से होती हुई यात्रा करती है। विभिन्न प्रकार के व्यक्तियों से परिचय कराती है। रेलों में सभी प्रकार की भाषाएं बोलने वाले यात्रा करते रहते हैं। इसलिए रेल राष्ट्रीय एकता की घोषणा करती है।

11.3.3. रेल में सफाई

रेल चल रही है। रेल में कुछ लोग मूंगफली खा रहे हैं और कुछ लोग केले, मौसमी खा रहे हैं। उसके छिलके आदि वहीं पर डाल रहे हैं। यह रवि को पसंद नहीं आया। उसने समझा कि ये सब कचरे के डिब्बे में फेंक सकते हैं ना।

समूह में चर्चा कीजिए-

- रेल में खाने के बाद फलों के छिलके, कचरा आदि का क्या करना चाहिए। कहां फेंकना चाहिए?
- रेल की खिड़की से हाथ धोने पर क्या होगा?
- शौचालय का प्रयोग करने के बाद पानी ज्यादा न डालने पर क्या होगा?
- कहते हैं कि रेल खड़ी रहने पर शौचालय का उपयोग न करें? क्यों?

11.3.4. रेल सिग्नल

दूसरे दिन सुबह विनोद ने बगल की सीट पर बैठी लड़की का रविप्रकाश से परिचय करवाया। उसका नाम अनीता है। कहा कि हम जिस कार्यक्रम में जा रहे हैं वह भी आ रही है। एक जगह रेल बहुत दूर रुकी। रविप्रकाश ने पूछा कि क्यों रुकी है। अनीता ने कहा लाल बत्ती जली है। रविप्रकाश ने पूछा कि क्या रेल को भी सिग्नल होते हैं?

रेल सड़क पार करते समय रेल पटरियों की दोनों ओर गेट पड़े रहने को अनीता ने बताया। अनीता ने कहा रेल के जाने के बाद गेट उठाकर वाहनों को भिजाया जाता है। हरी बत्ती के जलते ही रेल चलने लगी।

सोचिए...

- रेल को सिग्नल क्यों रहते हैं?
- रेलवे गेट क्यों डालते हैं?

SCERT TELANGANA

समूह में चर्चा कीजिए-

- रेलवे गेट डालने पर क्यों पार नहीं करना चाहिए? किस तरह की सावधानी लेनी चाहिए?
- रेल में दरवाजे के पास क्यों खड़ा नहीं होना चाहिए?
- रेल यात्रा में और कौनसी सावधानी रखनी चाहिए?
- यात्रा में कम सामान क्यों ले जाना चाहिए?
- रेल को आपात स्थिति में रोकने के लिए किस प्रकार की सुविधा होती है?

रेल के दरवाजे में खड़े रहने से उतरने, चढ़ने वालों के लिए असुविधाजनक रहता है। हाथ छूटने पर रेल की पटरियों पर गिरने का संकट बना रहता है। रेल दिन भर विन्नि प्रांतों से यात्रा करती है। खिड़की से बाहर देखने पर पहाड़, जंगल, नदियां, खेत, पुल, टन्नेल्स, फसल रहित खेत, रेतीली जमीन दिखाई देती है।

रेल की यात्रा में और एक दिन बीता। वेणुगोपाल ने कहा कि दिल्ली पहुंच गए हैं। बाल दिवस समारोह कार्यक्रम में भाग लेकर उस प्रतियोगिता में इनाम पाया। वापसी यात्रा विमान से करने की अनुमति

रविप्रकाश ने विमान यात्रा के बारे में क्या बताया होगा? सोंचकर लिखिए।

मुख्य शब्द-

1. बस यात्रा
2. टिकट की जाँच
3. ट्राफिक सिग्नल
4. रेल यात्रा
5. रेल प्लेटफॉर्म
6. रेल डिब्बा, बर्थ
7. रेल में स्वच्छता
8. रेल सिग्नल
9. रेलवे गेट

SCERT TELANGANA

हमने क्या सीखा?

1 . विषय की समझ

क) यात्रा में क्या सावधानियाँ लेनी चाहिए?

ख) बस में क्या-क्या सूचनाएँ लिखी रहती हैं?

ग) रेलवे गेट डालने पर सड़क पार नहीं करनी चाहिए, क्यों?

घ) वाहन चलाते समय किन नियमों का पालन करना चाहिए?

च) रेल यात्रा, बस यात्रा में क्या अंतर है?

छ) दूर प्राँतों को जाने के लिए अधिकतर रेल यात्रा क्यों करते हैं?

ज) सिग्नल व्यवस्था न हो तो क्या होगा?

2. प्रश्न करना - अनुमान लगाना

- बस स्टेशन या रेलवे स्टेशन में पूछताछ केंद्र रहते हैं। हम किसी यात्रा से संबंधित विवरण जानना चाहें, तो उनसे पूछकर जान सकते हैं। आप रेल में दिल्ली जाने के लिए विवरण जानने के लिए कौन-कौनसे प्रश्न पूछेंगे।

3. प्रायोगिक कार्य -क्षेत्र परीक्षण

- आपके निकट के बस स्टेशन/रेलवे स्टेशन जाकर निरीक्षण कीजिए। आपने क्या-क्या देखा लिखिए। स्टेशन का नाम, शौचालय, मूत्रशालाएँ हैं? यात्रियों के लिए सुविधाएँ हैं? यात्रियों के लिए गाड़ियों के आने-जाने का विवरण बताने वाले सूचना बोर्ड हैं? आदि विवरण देखकर लिखिए।

4. समाचार संकलन - परियोजना कार्य

- समाचार पत्र देखिए। आपके करीबी रेलवे स्टेशन से किन प्राँतों को रेल में यात्रा कर सकते हैं, विवरण एकत्र करें। (रेलों का नाम, जाने वाले प्राँत का नाम, आयात समय, निर्यात समय)

रेल का नाम	प्रस्थान स्थान	गम्य स्थान	स्टेशन को आगमन का समय	प्रस्थान का समय

- रेल आरक्षण फार्म लेकर भरें । अपने अध्यापक को बताएँ ।

SCERT TELANGANA

5. मानचित्र कौशल, चित्रांकन, नमूना निर्माण द्वारा भाव विस्तार

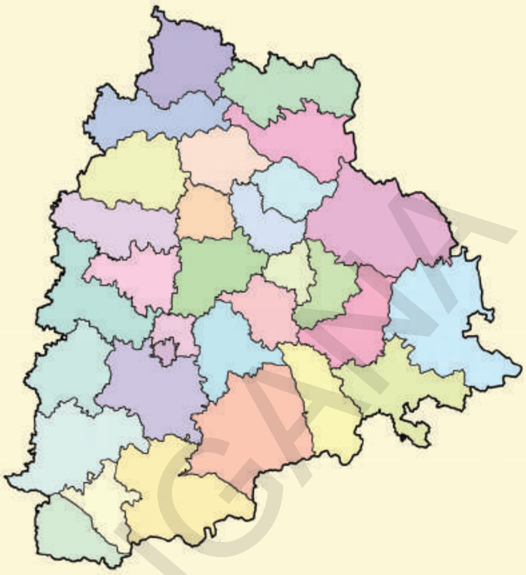

अ) तेलंगाना के मानचित्र में अपने राज्य के प्रमुख रेलवे जंक्शन दर्शाएँ।

आ) गत्ते या कागज से रेल/बस के नमूने तैयार करके प्रदर्शित करें।

इ) आपके गाँव से दिल्ली जाने के लिए बस रेल में यात्रा करने पर किन नगरों से होकर जाना पड़ता है। मानचित्र देखकर बताइए।

6. प्रशंसा, मूल्य, जैव-विविधता सहबहधी जागरूकता

अ) यात्रा करते समय कौनसी सावधानी रखनी चाहिए।

आ) तुम रेल यात्रा करके आते हो। उस अनुभव से रेल यात्रा में कौन-कौनसी सावधानी रखनी चाहिए, अपने मित्रों को बताओगे।

इ) रेल में जिम्मेदार यात्रियों की तरह हमें व्यवहार करना चाहिए। स्वच्छता बनाए रखें। इसके लिए तुम क्या करोगे?

ई) हम यात्रा करते समय सह-यात्रियों से कैसा व्यवहार करें? वृद्धों, महिलाओं, हमसे छोटे बच्चों की तुम किस प्रकार सहायता करोगे?

मैं यह कर सकता हूँ?

1.	रेल, बस यात्रा के विवरण, सावधानियों का वर्णन कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं
2.	यात्रा से संबंधित विवरण मालूम करने प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ/नहीं
3.	बस/रेलवे स्टेशन की सुविधाओं के विवरण निरीक्षण करके लिख सकता हूँ।	हाँ/नहीं
4.	रेलवे स्टेशन में आने वाली रेलगाड़ियों के विवरण, आगमन-प्रस्थान के विवरणों से तालिका बना सकता हूँ।	हाँ/नहीं
5.	राज्य के मानचित्र में रेलवे स्टेशन पहचान सकता हूँ।	हाँ/नहीं
6.	यात्रा में जिम्मेदारी से व्यवहार करूंगा, सहयात्रियों की सहायता कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं

SCERT TELANGANA

12 भारत का इतिहास-संस्कृति (Indian History – Culture)

परिवार के इतिहास के बारे में तीसरी कक्षा में जान लिया है न! परिवार में दादाजी, दादाजी के पिता के बारे में कैसे जानेंगे? अपने बड़े बुजुर्गों से पूछने पर उनके परिवार का इतिहास अर्थात परिवार में कौन-कौन हैं? उस परिवार का नाम और प्रसिद्धि? वह परिवार पहले कहाँ निवास करता था? किस तरह के घरों में रहता था? वे किस तरह के कपड़े पहनते थे? किस तरह का भोजन करते थे? जैसे अनेक विषय हमें मालूम होते हैं। उसी तरह हर गाँव का एक इतिहास होता है। उस गाँव को वह नाम कैसे आया? उस गाँव की क्या विशेषताएँ हैं? पहले जमाने में वह गाँव कैसा था? जैसे अनेक विषय हम बड़ों से जानते रहते हैं। इस तरह गुजरे हुए अनेक विषय इतिहास बताता है।

12.1. प्राचीन इतिहास

आदि काल से मानव का विकास कालक्रम के अनुसार होता चला गया। इस चित्र में मानव विकास के काल क्रम को देखा जा सकता है। इसका निरीक्षण कीजिए। कक्षा में चर्चा कीजिए।

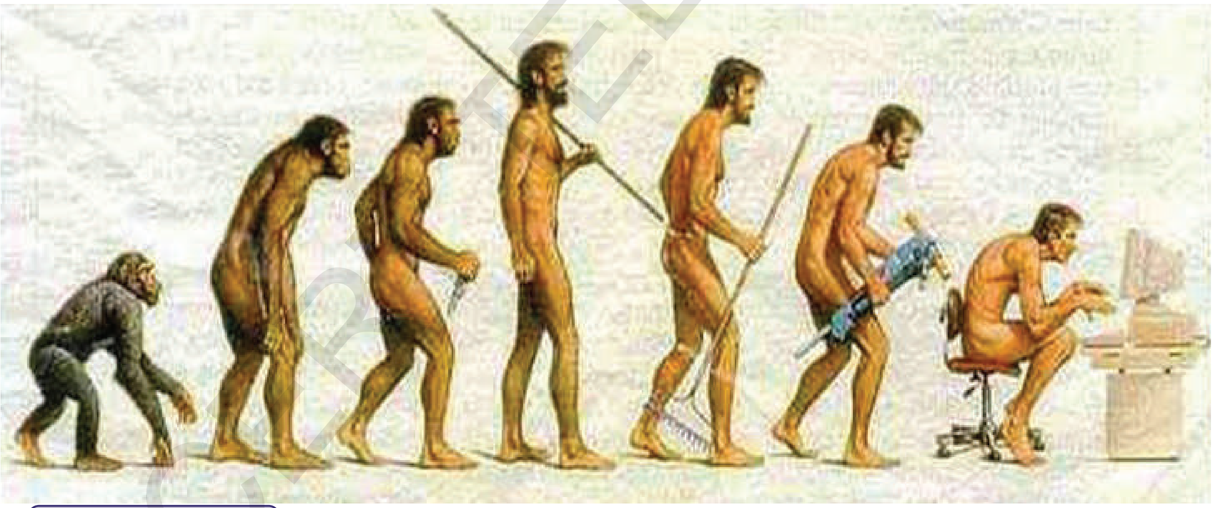

सोचिए...

- ऊपर के चित्र देखने पर तुम्हें कैसा लग रहा है?
- उस समय के, आज के मनुष्यों के बीच क्या अंतर है?

आदिम मानव खानाबदोश थे, यानी वे भोजन और आश्रय की तलाश में झुंड बनाकर एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमते रहते थे। पर्वत की गुफाओं, बड़े पेड़ों के बीच निवास करते थे। जानवरों का शिकार करके कच्चा

SCERT TELANGANA

मांस खाते थे। क्रमशः आग की खोज के कारण भोजन पकाकर खाते थे। कृषि करना आरंभ कर दिए। पशुपालन करने लगे। मिट्टी के पात्र बनाकर भोजन पकाते थे। वे सामग्री मिट्टी के पात्रों में रखते थे। इन मिट्टी के पात्रों का सुंदर अलंकरण करते थे। खाद्य-संग्राहक से खाद्य-उत्पादक की अवस्था तक पहुंच गए। पहिये की भी खोज की। इसके कारण मानव जीवन में अनेक परिवर्तन हुए। किसलिए सोंचिए।

12.2. भारत का इतिहास

परिवार का इतिहास, गांव के इतिहास की तरह भारत का भी एक इतिहास है। भारत में प्राचीन काल से घटित अनेक घटनाएं, जनता की जीवनशैली में आए बदलाव के बारे में बताना ही इतिहास है। फिर इतिहास को कैसे जानें? सोचिए।

इतिहास जानने के लिए पुरातत्व विभाग की ओर से कई खुदाइयां होती हैं। हमारे देश को स्वतंत्रता मिलने से पूर्व ब्रिटेन देश के सर जॉन मार्शल ने 1922 में सिंधू नदी के प्रांत में खुदाई की। इससे हड़प्पा संस्कृति प्रकाश में आई। सिंधू घाटी की सभ्यता नगरीय थी। नगरों का निर्माण योजना बद्ध हुआ था। बड़े भवन, सड़कों का निर्माण क्रम पद्धति से हुआ। हड़प्पा के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि था। गेहूं, चावल, बारली मुख्य आहार खेती थी। तांबा, कांसा, शीश, जस्ता धातुओं से विभिन्न प्रकार की वस्तुएं बनाते थे। हड़प्पा के लोग पश्चिम एशिया, मिस्र देशों से व्यापार करते थे। इनका प्रधान बंदरगाह 'लोथल' में था। वे मुख्यतः मातृदेवियों, शिव की पेजा करते थे। वे अपनी भाषा को चित्र-संकेतों में लिखते थे।

सोचिए...

- सभ्यताएं नदियों के किनारों पर ही क्यों विकसित हुई। चर्चा करें, लिखें।
- सिंधू घाटी की सभ्यता की आज की सभ्यता से तुलना कीजिए।

भारत का इतिहास जानने के लिए खुदाइयां ही नहीं, भवन, स्मारक, संग्रहालय, अभिलेख, ग्रंथ उपयोगी होते हैं। प्राचीन काल के अवशेष वस्तुओं का संचय कर एक जगह सुरक्षित रखते हैं। इन्हीं को ऐतिहासिक संग्रहालय कहा जाता है। हैदराबाद का सालारजंग संग्रहालय ऐसा ही है। उसी तरह जनजातीय प्रदर्शनशाला श्रीशैलम में है। इस तरह अपनी संस्कृति परंपराएँ, अपने परंपरागत (वंशानुगत) संपत्ति को जानने में संग्रहालय सहायक हो रहे हैं। ग्रंथ और ग्रंथालय से भी हम इतिहास जान सकते हैं।

हैदराबाद में स्थित सालारजंग वस्तु संग्रहालय

SCERT TELANGANA

समूहों में चर्चा कीजिए-

- संग्रहालयों में जाने पर, संग्रहालयों में क्या-क्या अंश रहते हैं।
- आपके गाँव में संग्रहालय बनाया जाय तो आप उसमें क्या-क्या सुरक्षित रखना चाहेंगे।
- अपने इतिहास को किन विषयों द्वारा जान सकते हैं?
- इतिहास किसे कहते हैं? हमारे पूर्वज कैसा जीवन बिताये हैं? किस तरह जान सकते हैं?

12.3. संस्कृति

हमारे वेश-भूषा, भाषा, त्यौहार, उत्सव, फसलें, खान पान, खेल, गीत आदि संस्कृति को बताने वाले अंश हैं। यदि हम किसी नए स्थान पर जाते हैं तो वहाँ के लोगों की वेश-भूषा और खान-पान अपने जैसा नहीं रहता है। वह उनकी संस्कृति है।

हमारी जीवन शैली, आचार-विचार, दैनिक कार्य, कला, साहित्य आमोद प्रमोद में हमारी संस्कृति दिखाई देती है। बड़ों का आदर करना, दूसरों की सहायता करना, सहायता करने वालों को धन्यवाद कहना, प्रार्थना स्थलों पर प्रार्थना करना ये सब संस्कृति के ही विषय है। पेड़, पक्षी, जानवर, हवा, पानी, अग्नि की आराधना करते हुए हम प्रकृति का आदर करते हैं। 'सभी जीवात्मा समान है' ऐसी भावना से जैव विविधता को महत्व देनेवाली अपनी संस्कृति राष्ट्र के लिए सम्मान सूचक है। विश्वह्वमें भारतीय संस्कृति का विशेष स्थान है, आदर सम्मान है । अपनी अद्‌भुत शिल्पकला से शोभित भवन, प्रार्थनालय, संगीत, नाट्य, चित्रकल, पुराण, इतिहास ये सब हमारी सांस्कृतिक संपत्ति है। हमारी संस्कृति की रक्षा करके आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाना है ।

12.4. भारत का इतिहास बताने वाले कुछ स्मारक

अपने देश के इतिहास और संस्कृतियों को बताने वाले स्मारक, प्राचीन अभिलेख, देवालय, स्तूप, भवन, दुर्ग आदि अनेक-अनेक देश में हैं। इनको देखने और वहां के विवरण की जानकारी से इतिहास को समझ सकते हैं। अपने देश के इतिहास से संबंधित कुछ स्मारक देखिए।

सारनाथ स्तूप

अशोक ने सारनाथ स्तूप का निर्माण करवाया। ईंट या पत्थर से बनाया गया मोटे गोल आकार के निर्माण को स्तूप कहते हैं। सारनाथ स्तूप उत्तर प्रदेश राज्य में वाराणासी के निकट सारनाथ में है। यह बहुत प्राचीन स्मारक है।

SCERT TELANGANA

अशोक स्तंभ

यह पत्थर का ऊंचा स्तंभ है। इसके सिरे पर चार सिंह बनाए गए थे। अपने सिक्कों पर इसकी मुहर रहती है। चिकने इस शिला स्तंभ में राजस्थानी शिल्प कला दिखाई देती है। वाराणासी के निकट चुनार से खोदे गए रेतीले पत्थर से इस सांभ को बनाया गया।

तेलंगाना शहीद स्तूप

यह हैदराबाद में विधान सभा के सामने है। 1969 के तेलंगाना आंदोलन में जो शहीद हुए, उनकी याद में इस स्तूप को बनाकर स्थापित किया गया। यह स्तूप तेलंगाना आंदोलन की चेतना को हमेशा याद दिलाता है।

कुतुब मीनार

कुतुब मीनार की ऊंचाई 72.5 मीटर है। यह अपने देश की राजधानी दिल्ली महानगर में है। इसका निर्माण कुतुबुद्दीन ऐबक ने आरंभ किया तो इल्तुतमिश ने पूर्ण किया।

लाल किला

लाल किला अपने देश की राजधानी दिल्ली महानगर में है। आज भी राष्ट्रीय दिवसों में इस पर राष्ट्रीय झंडा लहराते हैं। यह लाल पत्थर से बनाया गया। इसमें फारसी, भारतीय दोनों निर्माण शैलियाँ दिखाई देती हैं।

चारमीनार

चारमीनार अपने राज्य के हैदराबाद महानगर में है। इसकी ऊंचाई 58 मीटर है। इस में चार मीनारें हैं। इसका निर्माण 1591 में हुआ।

हजार खंभा मंदिर

यह अपने राज्य के वरंगल नगर में है। यह काकतीय शासकों के काल का शिवालय है। यह अद्भुत शिल्प कला का नमूना है।

SCERT TELANGANA

समूह में चर्चा कीजिए-

- प्रमुख स्मारकों से हम क्या जान सकते हैं?
- इनसे संबंधित और अधिक जानकारी पुस्तकें पढ़कर संग्रह कीजिए और चर्चा कीजिए।

12.5. भारतीय इतिहास के प्रमुख व्यक्ति

मौर्य...

Ashoka

मौर्य साम्राज्य के संस्थापक चंद्रगुप्त थे। उनका पौत्र अशोक थे। अशोक महानतम शासकों में एक थे। इन्होंने कलिंग युद्ध के बाद दुःखी होकर बौद्ध धर्म स्वीकार किया। अहिंसा मार्ग का उपदेश देते हुए बौद्ध धर्म के प्रसार के लिए प्रयत्न किया। अपने राष्ट्रीय झंडे के बीच का धर्म चक्र अशोक के सारनाथ स्तूप से ही लिया गया है।

गुप्त...

ई.पू. 320 में श्रीगुप्त ने गुप्त साम्राज्य की स्थापना की। गुप्त वंश में प्रसिद्ध चंद्रगुप्त विक्रमादित्य के दरबार में 'नवरत्न' नाम से कविगण रहते थे। इनमें कालिदास महान थे। विश्व-विख्यात एल्लोरा की गुफाएँ इनके काल की हैं। इनके काल में शिल्प कला, चित्रकला का बहुत विकास हुआ।

काकतीय...

काकतीय शासकों में गणपति देव और उनकी पुत्री रूद्रमा देवी प्रमुख हैं। इन्होंने सभी तेलुगु भाषियों में एकता स्थापित की। इनके काल में वरंगल का किला, हजार खंभा मंदिर, रामप्पा मंदिर, रामप्पा और पाकाल जैसे जलाशयों का निर्माण हुआ।

रूद्रमा देवी

SCERT TELANGANA

Sri Krishna Devaraya

विजयनगर के राजा.. श्रीकृष्ण देवराय

विजय नगर के राजाओं में श्रीकृष्ण देवराय मुख्य हैं। इन्होंने 1509 से 1529 तक विजयनगर राज्य पर शासन किया। इनके काल में दरबार में 'अष्ट दिग्गज' नामक कविगण रहते थे। वे भी स्वयं कवि थे। इन्होंने आमुक्त मालपदा नामक ग्रंथ की रचना की। 'देश भाषलंदु तेलुगु लेस्सा' (देशी भाषाओं में तेलुगु का महत्व) का नारा इन्होंने ही दिया।

अकबर

मुग़ल...(अकबर)

अपने देश पर शासन करने वाले मुगल सम्राटों में अकबर प्रमुख है। वे इस्लाम धर्मानुयायी होते हुए भी अन्य धर्मों के प्रति सद्भावना रखते थे। इनके काल में साहित्य एवं प्रशासन का उल्लेखनीय विकास हुआ।

Chatrapati Shivaji

मराठा ...(शिवाजी महाराज)

मुगलों से लड़कर मराठा राज्य की स्थापना करने वाले महान वीर थे शिवाजी। इन्होंने ने भी हिंदू धर्मानुयायी होते हुए अन्य धर्मों का आदर करते हुए महान प्रसिद्धि पाई। इन्हीं के काल में तुकाराम, समर्थ रामदास जैसे महान व्यक्ति रहते थे।

निज़ाम शासक ...(मीर उस्मान आलीखान)

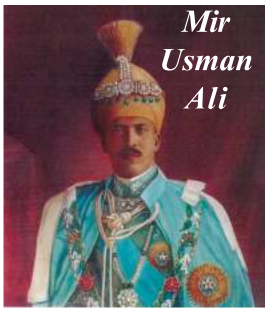

Mir Usman Ali

हैदराबाद राज्य पर निज़ाम वंश के शासकों ने शासन किया। वे मुसलमान थे, और दकनी उर्दू में बात-चीत करते थे। इनके राज्य में अधिकतर जनता हिंदू थी, जो तेलुगु, कन्नड़, मराठी बात करते थे। हैदराबाद के अंतिम शासक मीर उस्मान अली खान ने अंग्रेजों के प्रभाव से अपने राज्य में कृषि एवं उद्योगों का विकास किया और अनेक शिक्षा संस्थाओं की स्थापना की है।

निज़ामसागर, अलीसागर जैसे बड़े जल सिंचाई परियोजनाओं को निर्माण किया। 1920 में मूसी नदी पर उस्मानसागर बांध का निर्माण करवाकर, हैदराबाद शहर की जनता को पेयजल की सुविधा उपलब्ध करवाई।

SCERT TELANGANA

समूह में चर्चा कीजिए-

- आपने देश के कुछ महत्वपूर्ण व्यक्तियों के बारे में जाना है। उनकी महानता क्या है?
- इनके द्वारा हमें क्या सीख मिलती है?

मुख्य शब्द:

1. इतिहास	4. जीवनशैली	7. साम्राज्य
2. संस्कृति	5. सभ्यता	8. शासक
3. आदिम मानव	6. देश की संस्कृति	9. अन्य धर्म के प्रति सद्भावना

हमने क्या सीखा?

1. विषय की समझ

क) आदिम मानव की जीवनशैली, आज की जीवनशैली में समानताएं-अंतर बताइए।

ख) अपने देश के इतिहास को किन-किन आधारों से जान सकते हैं?

ग) हमारे देश के इतिहास से संबंधित स्मारकों की हमें रक्षा करनी चाहिए। क्यों?

घ) अपने देश और राज्य के कुछ प्रसिद्ध व्यक्तियों के बारे में बताइए। वो महान क्यों हैं?

2. प्रश्न करना - अनुमान लगाना

- किसी एक प्राचीन स्मारक या दुर्ग देखने के लिए जाने पर इतिहास से संबंधित कौनसे विवरण जान सकते हैं? इसके लिए कौनसे प्रश्न पूछोगे।

3. प्रायोगिक कार्य - क्षेत्र निरीक्षण

- आपके गाँव का इतिहास बताने वाले साक्ष्य क्या-क्या हैं? वहाँ जाकर निरीक्षण कीजिए। उसके विवरण बताइए।

4. समाचार संकलन - परियोजना कार्य

- पाठ के आधार पर अपने देश के स्मारकों, महान व्यक्तियों की सूची बनाइए।
- काकतीयों के बारे में और जानकारी प्राप्त करके कक्षा में प्रदर्शित कीजिए।

SCERT TELANGANA

5. मानचित्र निपुणता, चित्र खींचना, नमूना बनाकर भावाभिव्यक्ति-

अ) इस पाठ में कुछ महत्वपूर्ण स्मारकों के बारे में जान लिए हैं ना। इसमें अपने राष्ट्र से संबंधित मानचित्र में दर्शाएं।

आ) अपने देश के कुछ प्रसिद्ध व्यक्तियों में काकतीय, कुतुबशाही अपने राज्य से संबंधित हैं। इनसे संबंधित प्रांतों को तेलंगाना राज्य के मानचित्र में दर्शाएँ।

6. प्रशंसा, मूल्य, जैव-विविधता संबंधी जागरूकता

अ) प्राचीन स्मारकों का हमें संरक्षण करना चाहिए। इसके लिए हम क्या कर सकते हैं? बताइए।

आ) आप किस तरह कह सकते हैं कि **हमारे** देश की संस्कृति महान है?

इ) अपनी संस्कृति से संबंधित कौनसे अंश तुम्हें अधिक पसंद हैं? उनकी रक्षा के लिए आप क्या करोगे?

ई) अपने देश के महान व्यक्तियों में से किसी एक एकल पात्र अभिनय कर प्रदर्शन करें।

उ) आपके द्वारा देखे गए किसी ऐतिहासिक स्थान के बारे में, अपनी अनुभूति लिखिए।

मैं यह कर सकता हूँ?

1.	अपने देश के इतिहास और संस्कृति का वर्णन कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं
2.	अपने देश के इतिहास को जानने के लिए आवश्यक प्रश्न पूछ सकता हूँ।	हाँ/नहीं
3.	ग्राम के इतिहास से संबंधित विवरण संग्रह कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं
4.	अपने देश के प्रमुख व्यक्तियों की तालिका बना सकता हूँ।	हाँ/नहीं
5.	अपने देश के प्रमुख स्मारक, व्यक्तियों के विवरण मानचित्र में दर्शा सकता हूँ।	हाँ/नहीं
6.	अपनी संस्कृति से संबंधित स्मारकों की रक्षा के लिए प्रत्यन कर सकता हूँ।	हाँ/नहीं

रामप्पा मंदिर

SCERT TELANGANA